राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 27 जुलाई–2021 वर्ष–4, अंक – 184 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

कुलगामः सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू। कश्मीर घाटी में कुलगाम के अहरबल इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। जिसमें एक आतंकी मार गिराया गया है। मारे गए आतंकी की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। इस ऑपरेशन को सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम अंजाम दे रही है। बता दें कि पुलिस को इलाके में आतंकी गतिविधि की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने जवानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। उधर, उत्तरी कश्मीर के सीमवर्ती जिले बांदीपोरा के सुमलर इलाके के शोकबाबा और आरागाम जंगलों में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी रहा। मुठभेड़ में अब तक तीन आतंकी मारे जा चुके हैं। इनमें दो ए प्लस श्रेणी के आतंकी हैं। एक की शिनाख्त पाकिस्तानी निवासी ताहा उर्फ शाकिर के रूप में हुई है जबकि दूसरा स्थीय आतंकी शाकिर अल्ताफ है। तीसरे की पहचान अभी नहीं हो सकी है। तीनों का संबंध आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबो से है। सूत्रों के मुताबिक दो और आतंकी जंगल में छिपे हैं जिनकी तलाश जारी है। तीनों आतंकियों के शव रविवार को बरामद कर लिए गए थे। इनके पास से तीन एके 47 राइफलें, 280 कारतूस और 13 मैगजीन बरामद हुई थीं। पुलिस को सुमलर इलाके के शोकबाबा जंगल क्षेत्र में आतंकियों के एक बड़े दल की मूवमेंट का इनपुट शुक्रवार रात मिला था। उसके बाद से पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से जंगल में अभियान शुरू किया था। ऑपरेशन में सेना की इलीट फोर्स पैरा और मार्कोस कमांडो भी शामिल हैं।

इस्तीफे की घोषणा: भावुक हुए येदियुरप्पा

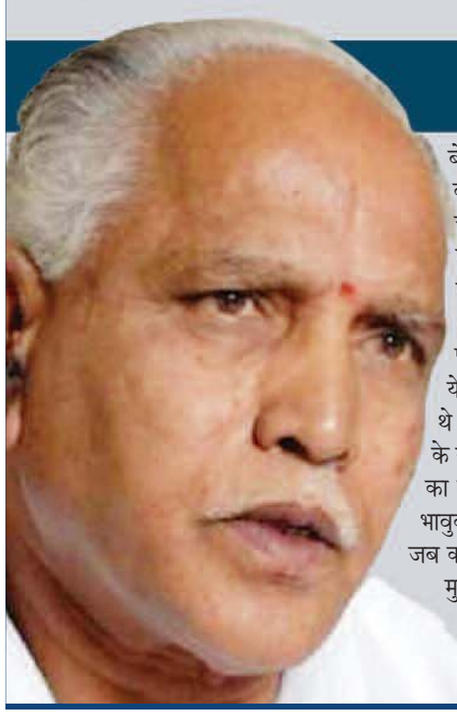

येदियुरप्पा के कई मंत्रियों को भी हटाएगी बीजेपी?

बेंगलुरु। आखिरकार कर्नाटक की राजनीति में चल रहा असमंजस का तूफान थम गया। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार (26 जुलाई) को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। येदियुरप्पा न सिर्फ मुख्यमंत्री थे बल्कि कर्नाटक में भाजपा के सबसे बड़े चेहरे थे। इस्तीफे का एलान करते हुए येदियुरप्पा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जब कारें नहीं हुआ करती थीं तो मुझे याद है कि कैसे दिनभर साइकिल चलाकर पार्टी (भाजपा) के लिए काम करता था। कर्नाटक के सीएम पद से बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद अब बीजेपी कैबिनेट में ही बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी की सेंट्रल लीडरशिप कर्नाटक में येदियुरप्पा के साथ ही कई सीनियर मंत्रियों को भी हटाना चाहती है। इसके जरिए पार्टी की यह रणनीति है कि येदियुरप्पा के साथ ही उन मंत्रियों को हटा दिया जाए, जो विवादों में घिरे रहे हैं या फिर जनाधार कमजोर है। इसके अलावा राज्य में तीन उपमुख्यमंत्रियों, गोविंद काराजोल, अश्वथ नारायण और लक्ष्मण संगप्पा सावदी, में से किन्हीं दो को हटाया जा सकता है। इसके अलावा जनजाति समुदाय से आने वाले किसी विधायक को डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनाया जा सकता है। बीजेपी लीडरशिप

की मंशा को देखते हुए कर्नाटक में येदियुरप्पा के समर्थक उन विधायकों के सामने भविष्य का संकट खड़ा हो गया है, जो दूसरे दलों से बीजेपी में आए थे। येदियुरप्पा खेमे के माने जाने वाले इन विधायकों के बीच हलचल तेज हो गई है। ऐसे करीब 12 विधायक हैं, जो बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में भरोसा जताते हुए पार्टी में शामिल हुए थे। अब इन्हें आगामी चुनाव में टिकट न मिलने और पार्टी में किनारे लगाए जाने का डर सता रहा है। बता दें कि बीएस येदियुरप्पा भले ही राज्य में बीजेपी के करिश्माई नेता माने जाते रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ बीते कुछ महीनों से पार्टी के भीतर ही आवाज तेज हो गई थी। अब यदि येदियुरप्पा के विकल्प की बात करें तो बीजेपी के संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, महासचिव सीटी रवि, पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार समेत कई नेता रेस में बताए जा रहे हैं। हालांकि इस पर कोई भी फैसला केंद्रीय नेतृत्व को ही लेना है। इस बीच सेंट्रल लीडरशिप की ओर से अरुण सिंह और धर्मेंद्र प्रधान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, जो जल्दी ही बेंगलुरु का दौरा करेंगे और नए सीएम को चुनने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। कहा यह भी जा रहा है कि पार्टी की ओर से अन्य राज्यों की तरह ही कर्नाटक में भी चौंकाने वाला फैसला हो सकता है।

विजय दिवस 2021: मुख्यमंत्री योगी बोले

वीर सपूतों के बलिदान के कारण ही हम सुरक्षित हैं

लखनऊ। कारगिल विजय दिवस पर आज पूरे देश में शहीदों को नमन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में शहीद स्मारक के सामने कारगिल स्मृति वाटिका में पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर शहीद कैप्टन मनोज पांडेय के पिता गोपीचंद पांडेय, मेजर रीतेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश शर्मा और सुनील जंग की मां बीना महत को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध व राष्ट्र की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रत्येक जवान के प्रति पूरे सम्मान व गौरव के साथ विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज मां भारती के वीरों के परिजनों

को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि सैनिक की शहादत ही कौम की जिंदगी होती है। एक जवान जब शहीद होता है तो कौम को एक नई जिंदगी देता है, एक नई प्रेरणा प्रदान करता है। भारत माता के वीर सपूतों की सतर्कता, सजगता और मातृभूमि के लिए समर्पण व अद्भुत बलिदान के कारण ही हम सब न केवल स्वाधीनता का अनुभव करते हैं, बल्कि एक सुरक्षित माहौल में चैन की नींद भी लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी उपासना विधियां, खानपान, रहन-सहन, बोली-भाषा अलग-अलग हो सकती हैं लेकिन हमारा धर्म एक है और वह धर्म है राष्ट्र धर्म। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से प्रदेश के युवाओं को सैन्य सेवाओं से जोड़ने हेतु तेजी से सैनिक स्कूलों की स्थापना की जा रही है। वर्तमान में चार सैनिक स्कूल संचालित हो रहे हैं। गोरखपुर में 5वें का शिलान्यास हो चुका है। हमारा प्रयास है कि हर कमिश्नरी में एक सैनिक स्कूल हो। भारत के वीर जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखना, उनके परिजन अपने आप को असहाय व असुरक्षित न समझें, यह जिम्मेदारी समाज निभाए तो अत्यंत महत्वपूर्ण संबल होगा। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार के अंतर्गत सैनिक कल्याण बोर्ड सैनिकों से जुड़ी हुई समस्याओं का समाधान प्रतिबद्धता व संवेदनशीलता के साथ कर रहा है।

किन्नौर हादसा: अभी भी फंसे हैं 150 सैलानी, आसपास की तीन पंचायतों में बिजली गुल

किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में सांगला-छितकुल मार्ग पर बीते रविवार को बटसेरी में पहाड़ी से दरकी चट्टानों की चपेट में आए पर्यटकों के शव पोस्टमार्टम के बाद हिमाचल भवन दिल्ली भेजे गए हैं। वहां आवासीय आयुक्त मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपेंगे। सीएम जयराम ठाकुर ने बताया कि आठ मृतकों के शव दिल्ली तक पहुंचाने के लिए सरकार ने प्रबंध किया है। एक मृतक नेवी के लेफ्टिनेंट अमोच बापत का शव कड़छम स्थित सेना के अधिकारियों को सौंपा गया है। वहीं, हादसे के बाद छितकुल और रक्षम में 150 सैलानी फंसे हुए हैं। छितकुल, रक्षम और बटसेरी पंचायतों में बिजली गुल है जबकि सिंचाई योजना भी ठप पड़ी हुई है। सोमवार को एसडीएम कल्पा एवं जिला पर्यटन अधिकारी स्वाति डोगरा ने घटनास्थल का दौरा किया। उपायुक्त किन्नौर आबिद हुसैन सादिक ने कहा कि सांगला-छितकुल संपर्क मार्ग पर गुंसा के पास 300 मीटर बंद पड़ी सड़क को बहाल करने के लिए मशीनरी जुटी हुई है। डेढ़ करोड़ की लागत से बने 120 मीटर लंबे वैली ब्रिज की मरम्मत भी जल्द शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हादसे में राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और दिल्ली के नौ पर्यटकों की मौत हो गई थी।

ट्रैक्टर पॉलिटिक्स:

राहुल जिस ट्रैक्टर से संसद पहुंचे वो हुआ जब्त

नई दिल्ली। कृषि कानूनों का विरोध करने के लिऐ ट्रैक्टर चलाकर संसद पहुंचने पर सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी खूब चर्चा में हैं। चर्चा तो उस ट्रैक्टर की भी हो रही है जिसे अब दिल्ली पुलिस ने जब्त कर लिया है। मानसून सत्र के कारण अति सुरक्षित माने जाने वाले इस इलाके में धारो 144 लागू है। राहुल गांधी बिना किसी पूर्व सूचना के ट्रैक्टर चलाकर आए थे, इसलिए ट्रैक्टरे को जब्त करने की कार्रवाई की गई है। कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसानों के प्रदर्शन को समर्थन देते हुए जब राहुल गांधी ट्रैक्टर चलाते हुए संसद पहुंचे तो उन्हें देखे हर कोई हैरान रह गया। राहुल गांधी के साथ ट्रैक्टर पर रणदीप सुरजेवाला, दीपेंद्र हुड्डा समेत अन्य कई कांग्रेसी नेता सवार थे। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और श्रीनिवास बी.वी को पहले ही हिरासत में ले लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को तुरंत ये काले कानून हटा लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आवाज नहीं सुन रही है, उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि तीन कृषि कानूनों को लेकर किसान पिछले साल नवंबर से दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर धरने पर बैठे हैं। केंद्र सरकार से उनकी कई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला है। सरकार ने जहां साफ कर दिया है कि तीनों कानून वापस नहीं लिए जाएंगे वहीं किसान कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े हैं। कांग्रेस लगातार किसानों के समर्थन में खड़ी है। किसानों के समर्थन में राजस्थान, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों में प्रदर्शन और रैलियां कर चुकी है।

पेगासस और कृषि विधेयकों को लेकर हंगामा

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली। पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई, हालांकि इससे पहले सरकार ने सदन में शोर-शराबे के बीच दो विधेयक भी पारित कराये। मॉनसून सत्र के पहले सप्ताह में भी इन मुद्दों को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित रही। सोमवार को सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे आरंभ हुई तो विपक्षी दलों के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। पीठासीन सभापति रमा देवी ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और चर्चा में भाग लेने की अपील की। इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा। सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ह्यफेक्टर विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2020 और ह्यराष्ट्रीय खाद्य उद्यमिता और प्रबंध संस्थान विधेयक, 2021 पारित किये गए। दोनों विधेयकों को पारित करने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने ह्यतानाशाही नहीं चलेगीह्न के नारे लगाए। इससे पहले, हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया और मसूर दाल पर आयात शुल्क घटाकर शून्य करने तथा मसूर की दाल पर कृषि बुनियादी ढांचा विकास उपकर को भी आधा कर 10 प्रतिशत करने संबंधी अधिसूचना को पेश किया। आज सुबह निचले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने करगिल विजय दिवस पर वीर सैनिकों का स्मरण किया। सदन में सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट किया। अध्यक्ष बिरला ने ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम वर्ग भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली मीराबाई चानू की उपलब्धि का जिक्र किया और सदन तथा अपनी ओर से उन्हें बधाई दी। इसके बाद बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू करने को कहा, वैसे ही कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्य अपनी-अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करने लगे। कुछ सदस्यों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शोर-शराबे के बीच ही प्रश्नकाल की कार्यवाही को आगे बढ़ाया। इस दौरान कुछ सदस्यों ने पूरक प्रश्न पूछे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उनके जवाब भी दिये। इस बीच, अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से अपने स्थान पर लौटने का आग्रह किया। बिरला ने शोर-शराबा कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, ह्यह्यजनता ने आपको चुनकर भेजा है ताकि आप यहां उनके मुद्दे उठा सकें लेकिन आप नारेबाजी कर रहे हैं, तख्तियां लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है।

गोवा में भाजपा 24 घंटे बिजली देने में रही नाकाम

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि गोवा के ऊर्जा मंत्री राज्य में लोगों को 24 घंटे बिजली मुहैया कराने में अपनी पार्टी की सरकार की नाकामी स्वीकार कर चुके हैं लेकिन ह्यआपह्न अगर वहां सत्ता में आती है तो वह राज्य को ह्यमुफ्त और निर्बाधह्न बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। केजरीवाल की यह टिप्पणी दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन और गोवा के उनके समकक्ष नीलेश कैब्राल के बीच सोमवार को राज्य की बिजली के मुद्दे पर हुई बहस के बाद आई है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ह्यह्य गोवा और दिल्ली के ऊर्जा मंत्रियों के बीच शानदार बहस हुई। लोकतंत्र के लिए अच्छा है। नीलेश कैब्राल ने स्वीकार किया कि भाजपा इतने साल शासन करने के बावजूद गोवावासियों को 24 घंटे बिजली देने में असफल रही है।

डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा

चुनाव आते ही बसपा में एक जाति विशेष के लिए बढ़ा लगाव

अयोध्या। बहुजन समाज पार्टी द्वारा प्रदेश में शुरू हुए ब्राह्मण सम्मेलन पर उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पलटवार करते हुए चुनावी जुमला होने का आरोप लगाया है तो वहीं कहा कि जो कभी राम के नाम से घबराहट होती थी वह अब नकली वेशधारी भी राम के नाम लेने लगे हैं। अयोध्या दौरे पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने हनुमानगढ़ी और कनक भवन मंदिर में पूजन किया। डिप्टी सीएम डॉक्टर दिनेश शर्मा ने मीडिया से रूबरू होते हुए बहुजन समाज पार्टी के द्वारा किए जा रहे नंबर सम्मेलन पर कटाक्ष किया और कहा कि जो लोग कभी इन लोगों को हनुमानगढ़ी व श्री रामलला के दरबार में दर्शन करते कभी देखा है नहीं देखा होगा।इसका कारण है कि इनको लगता था कि वह कहीं अगर गए तो सप्रदायिकता का उन पर कोई आरोप ना लग जाए और इसी भय से राम जी का नाम लेने से भी डरा करते थे, लेकिन राम जी की महिमा देखकर जो लोग कोई भी हिमाकत नहीं कर सकते है कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक के बीच मतभेद पैदा करने राम मंदिर निर्माण में बाधा डालने वाले तत्व थे। आज उनको राम भक्तों की शक्ति का एहसास हो गया है इसलिए अब उसे कोई नजर अंदाज नहीं कर सकते आज हर व्यक्ति नाम क्यों ले रहे हैं जो विपक्ष के लोग हमेशा कहा करते थे कि राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे यह आरोप हम पर लगा करते थे।

भारी वर्षा और बाढ़ बरपा रहे कहर

नई दिल्ली। देश के पश्चिम राज्यों खासकर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व गुजरात में बीते तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। हालांकि महाराष्ट्र में कुछ हिस्सों में राहत मिली है। मध्यप्रदेश के 13 जिलों में सोमवार को फिर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। राज्य के रतलाम जिले के जावरा में बीते 24 घंटे में 10 इंच से ज्यादा वर्षा हुई। उधर, गुजरात के कई जिलों में भारी वर्षा के बाद 56 मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। भोपाल स्थित मौसम कार्यालय के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि लगातार चौथे दिन प्रदेश में भारी वर्षा का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यह 13 जिलों के लिए मंगलवार सुबह तक के लिए है। इस दौरान संबंधित जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मप्र के अधिकांश हिस्से में बीते चार दिनों में बारिश हो रही है। जिन 13 जिलों में भारी बारिश, गरज के साथ बारिश होने व बिजली गिरने का अनुमान जताया गया है वो हैं-ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, श्योपुर, मुरैना, भिंड, राजगढ़, आगर मालवा, नीमच, मंदसौर व टीकमगढ़। साहा ने बताया कि जुलाई अंत से मध्यप्रदेश में अच्छ बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि उत्तरी बंगाल की खाड़ी में 28 जुलाई को एक और कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। बीते 24 घंटे में मप्र के लगभग सभी क्षेत्रों में बारिश हुई। पश्चिमी मप्र के रतलाम जिले के जावरा में सर्वाधिक 260 मिमी तो पूर्वी हिस्से के छतरपुर में 42.4 मिमी बारिश हुई। उधर, गुजरात के कई जिलों में भारी वर्षा हो रही है। इस कारण राज्य सरकार ने 56 मार्गों से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। बीते 24 घंटे में राजकोट जिले के लोधिका तालुका में सबसे ज्यादा 198 मिमी बारिश हुई। वहीं छोटा उदयपुर जिले में 190 मिमी, छोटा उदयपुर के क्वांट में 182 मिमी, मेहसाणा के बेचाराजी में 160 मिमी, जामनगर के कलावाड में 147 मिमी, नर्मदा के तिलकवाडा में 147 मिमी, बोटाड के बोटाड तालुका में 146 मिमी,वलसाड़ के कपराडा में 142 मिमी, जूनागढ़ के मनवदर में 134 मिमी और पोरबंदर के कुटियाना में 128 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं वडोदरा, पंचमहल, महीदागर, खेड़ा, अरावली, मोरबी, गिर सोमनाथ, तापी, अहमदाबाद और दाहोद समेत अन्य जिलों में बीते चौबीस घंटों के दौरान 60 मिमी से 100 मिमी तक की बारिश दर्ज की गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रजत से शुरुआत

मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए नया इतिहास रच दिया। मणिपुर की एथलीट चानू ने रजत पदक जीतने के लिए कुल 202 किलोग्राम वजन उठाया, जबकि चीन की होउ झिहुई ने कुल 210 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण जीता है। चानू ने पदक जीतने की राह में स्नैच पार्ट में कुल 87 किलो वजन उठाया और क्लीन ऐंड जर्क में 115 किलो वजन उठाकर भारत का नाम रोशन किया है। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली कर्णम मल्लेश्वरी के बाद दूसरी भारतीय भारोत्तोलक हैं। सिडनी ओलंपिक 2000 में कर्णम ने कांस्य जीता था। इस पदक के लिए पूरा श्रेय चानू की अथक मेहनत को दिया जा सकता है। चानू पहले विश्व चैंपियन रह चुकी हैं, जब उन्होंने अनाहेम में 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीता था, लेकिन ओलंपिक पदक की तो बात ही कुछ और है। पिछले ओलंपिक में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, लेकिन उसके बाद से उन्होंने जी-जान से टोक्यो ओलंपिक के लिए खुद को तैयार किया। टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत में ही जो भारत को खुशी मिली है, उसका कोई जोड़ नहीं है। इस बड़ी जीत ने दूसरे तमाम खिलाड़ियों को प्रेरित कर दिया है।

मीराबाई चानू ने ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के लिए भारत के दो दशक से अधिक लंबे इंतजार को समाप्त करके साबित कर दिया है कि भारतीय भारोत्तोलक महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। चानू ने साफ कहा है, मैं सिर्फ मणिपुर की नहीं, पूरे देश की हूं। शनिवार को पूरे प्रदर्शन के दौरान उनकी मुस्कान सबसे चमकदार थी। वह मां के आशीर्वाद के साथ खेल रही थीं और जीतने के बाद उन्होंने कहा कि मैं मां से मिलने को बेताब हूं। उनका यह कहना भारत जैसे देश में बहुत मायने रखता है, जहां लड़कियों का खेल की दुनिया में आगे बढ़ना बहुत मुश्किल है। बहुत संघर्ष से वे अपने लिए जगह बनाती हैं। चानू भी लगभग दो साल से अपने परिवार से नहीं मिली थीं। पदक जीतते ही उनके दिमाग में सबसे पहले घर की याद उमड़ आई। इंफाल के पास नोंगपोक काकचिंग में जिस घर में वह पली-बढ़ीं, वह घर उन्हें पुकारने लगा। बेशक, उनके मन में यह इच्छा स्वाभाविक आई होगी कि अपनी जमीन पर जल्दी से जल्दी पहुंचकर सफलता का स्वाद चखा जाए।

पिछले साल लॉकडाउन की पूरी अवधि – 68 दिन – पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान में बिताने वाली चानू अपने कमरे तक सिमट गई थीं, लेकिन उन्होंने कभी अभ्यास से मुंह नहीं चुराया। यथासंभव व्यायाम और मानसिक तैयारी से वह गुजरती रहीं। वह चाहतीं, तो घर लौट सकती थीं, लेकिन तब शायद पदक उनके हाथ नहीं लगता। घर की याद आती थी, तो वह हर दिन अपनी मां से वीडियो कॉल पर बात करती थीं। खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। आज भारत में न जाने कितनी बेटियां और माताएं भाव-विभोर होंगी। चानू की जीत भारतीय महिलाओं की जीत है। जो भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले रही हैं, निश्चित ही उनका मनोबल बढ़ा होगा। इन सभी खिलाड़ियों को चानू से सीखना चाहिए। प्रतियोगिता के दिन भी चानू इस मजबूत भावना के साथ उठी थीं कि वह जीत जाएंगी और उन्होंने कर दिखाया। उन्होंने रजत जीता है और उनका नाम भारतीय खेल पटल पर हमेशा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया है। भारतीय खिलाड़ियों से उम्मीदें बढ़ गई हैं, लेकिन यह तो अभी महज आगाज है।

जनगणना पर मतभेद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि जाति आधारित जनगणना पर फिर से विचार करे। 2019 और 2020 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने इस बाबत प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार के पास भेजा था। किंतु लोक सभा में केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव से इनकार कर दिया है। इससे साफ हो गया है कि बिहार में सत्ता में भागीदार दो बड़े दलों-जदयू और भाजपा-में इस मुद्दे को लेकर मतभेद हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानमंड़ल में दो-दो बार जदयू समेत अन्य दलों के स्वर में स्वर मिलाकर भाजपा के सदस्यों ने भी जातिगत जनगणना के पक्ष अपना समर्थन दिया था। केंद्र सरकार के इनकार के बाद राज्यस्तरीय भाजपा नेता चुप्पी साध गए हैं। उधरग नीतीश सरकार के बड़े घटक जदयू में केंद्र सरकार के इनकार से असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। नीतीश कुमार 1990 से ही सतत प्रयास करते रहे हैं कि जाति के आधार पर जनगणना की जाए। उनका मानना है कि इससे अनुसूचित जाति-जनजाति के अलावा अन्य गरीब-गुरबों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी मिल सकेगी। इस जानकारी के आधार पर गरीबोत्थान की ऐसी योजनाएं बनाई जा सकेंगी जिनको क्रियान्वित करके गरीब वर्गों का कल्याण किया जा सकेगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा जोर पकड़ेगा। जदयू के रुख से लग रहा है कि वह इस मुद्दे को आने वाले समय में जोर-शोर से उठाएगा। दिल्ली में 31 जुलाई को प्रस्तावित जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी यह मुद्दा छाया रहा सकता है। जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का कहना है कि इस मुद्दे पर अब आर पार होगी। कहते हैं कि मोर और कौवे तक गिने जा रहे हैं, लेकिन देश की 50 फीसद आबादी की संख्या बताने में आपत्ति है। जस्टिस जी. रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट में इस बाबत जानकारी मिलने की उम्मीद है, जिसे जल्द से जल्द जारी किया जाना चाहिए। कांग्रेस और भाजपाग दोनों रिपोर्ट जारी किए जाने पर पर सहमत है। त्यागी का कहना है कि व्यवस्था के पोषक तत्व जातिगत जनगणना से भयभीत हैं। दरअसलग जाति की गणना संबंधी मुद्दा अति संवेदनशील है, इसलिए ज्यादा कि कहीं न कहीं आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे से जा जुड़ता है। सोग कोई भी पार्टी फूंक-फूंक कर ही कदम बढ़ाना चाहेगी।

परिधि/राजीव मंड़ल

खेल में कब होंगे आगे!

ापान में खेलों के महाकुंभ ओलंपिक में चोटी के देशों के बीच भारत की ोराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर इस खेल में 21 वर्ष का ूखा खत्म किया है। चानू उत्तर-पूर्व के बेहद छोटे से राज्य मणिपुर से आती ं मगर उनकी उपलब्धियां बड़ी हैं। देश भर में उनकी मेहनत, लगन, ीवटता और संघर्ष का बखान हो रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि ाणिपुर में खेल का माहौल सकारात्मक है। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां ी मिट्टी से निकले हैं। कई राज्यों हरियाणा और पंजाब आदि के खिलाड़ियों । अंतरराष्टवीय पहचान कायम की है, मगर बिहार खेल के मामले में शून्य र हैग जबकि बिहार से अलग हुआ झारखंड आज तीरंदाजी, हॉकी सहित ई अन्य खेलों में देश का नाम रोशन कर रहा है।

ंहार में खेल को लेकर वैसी गंभीरता नहीं दिखती जैसी हरियाणा और ंजाब में दिखती है। आर्थिक तंगी और सरकार की उदासीनता इसकी सबसे ड़ी वजह हैं। अगर खिलाड़ियों के लिए साधन, संसाधन, उपकरण तथा शिक्षण की व्यवस्था हो जाए तो ये भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ार्तिया पदक जीतकर लाएंगे। वैसे सरकार को खेल के प्रति अपनी सोच ो विस्तार देना होगा। चाहे वह केंद्र की सरकार हो या राज्य की। कलीफदेह बात है कि जिस वर्ष ओलंपिक का आयोजन हो रहा हो, उस ाल खेल के बजट में कटौती का ऐलान किया गया। वित्त वर्ष 2019-20 ी अपेक्षा इस वित्त वर्ष के खेल बजट में कटौती की गई है। खेल मंत्रालय प्रमुख आयोजन 'खेलो इंडिया' के लिए भी बजट में कटौती की गई है। सससे साफ पता चलता है कि खेल को लेकर सरकार क्या सोचती है? क्या ंहारग उत्तर प्रदेश या अन्य राज्य हरियाणा या पंजाब से प्रेरणा नहीं ले कते? खेल को लेकर सभी राज्यों की नीतियों में एकरूपता क्यों नहीं ंखती? केंद्र सरकार खेल के मामले में अव्वल देशों की खेल नीतियों को यों नहीं अपनाती? आखिर, इससे किसी को क्या परेशानी हो सकती है? ाज जब हम अपनी विशाल आबादी और इसके बरक्स खेल के मैदान में ारतीय खिलाड़ियों के नगण्य आंकड़ों को देखते हैं, तो वाकई शर्मसार कर ने वाली स्थिति पाते हैं। सिर्फ क्रिकेट को तरजीह देने का ही नतीजा है कि ड़े खेल आयोजनों में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि न के बराबर दर्ज ोती हैं। क्या अब भी पहले जैसा ही चलेगा या राज्य सरकारें खेल को ंजीदगी से लेंगी।

यह हथियार डालने का वक्त नहीं

आलोक जोशी

बीते शनिवार को भारत में आर्थिक उदारीकरण के 30 साल पूरे हो गए। 24 जुलाई, 1991 को तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने अपना पहला बजट पेश किया था। सहयोगियों की बैसाखी पर टिकी एक अल्पमत सरकार के वित्त मंत्री थे वह। प्रधानमंत्री नरसिंह राव पर कितने राजनीतिक दबाव काम कर रहे होंगे, आसानी से समझा जा सकता है। मगर वित्त मंत्री के सामने एक विकट चुनौती थी। बजट पेश करने से पहले ही वह दो बार रुपये की कीमत गिराने का खौफनाक फैसला कर चुके थे। तीन किस्तों में रिजर्व बैंक के पास रखा सोना निकालकर विदेशों में गिरवी रखा जा चुका था और वाणिज्य मंत्री चिदंबरम ने निर्यात पर सब्सिडी खत्म करने का भी एलान कर दिया था। जाहिर है, यह सब बिना नरसिंह राव की इजाजत के तो नहीं हुआ होगा। और अगर ये सारे कदम सही नहीं पड़ते, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा भी नरसिंह राव को ही भुगतना पड़ता।

लेकिन वह खामियाजा तो राजनीतिक मोर्चे पर ही होता। मनमोहन सिंह के सामने जो चुनौती थी, वह कहीं बड़ी थी। और अगर वह सचमुच चूक गए होते, तो खामियाजा न सिर्फ उनको और उनकी सरकार को, बल्कि इस देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता को भी भुगतना पड़ता। देश उस वक्त भारी घाटे और कर्ज के बोझ से दबा हुआ था, हालत यह थी कि विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ तीन हफ्ते के भुगतान का पैसा बचा था और विदेशों में बसे भारतीय भी घबराहट में बैंकों में पड़ी रकम निकालने में जुटे थे। लेकिन न सिर्फ देश इस मुसीबत से निकला, बल्कि वहां से एक सिलसिला शुरू हुआ, जो उसके बाद कई बरसों तक लगातार भारत की तरक्की की कहानी लिखता रहा। यही वजह है कि मनमोहन सिंह का वह बजट और उसके साथ शुरू हुआ आर्थिक सुधार कार्यक्रम आजाद भारत के इतिहास में सबसे बड़ा मील का पत्थर माना जाता है। उस कमजोर सरकार के बहुत कम बोलने वाले वित्त मंत्री मनमोहन सिंह के इरादे कितने मजबूत थे, यह समझने के लिए इतना जानना काफी है कि उस बजट में उन्होंने सरकारी घाटा जीडीपी के 7.6 प्रतिशत से घटाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया। दो फीसदी से ज्यादा की यह कटौती किसी एक साल में सरकारी घाटे में की गई सबसे बड़ी कटौती है। यही नहीं, उद्योगों और कारोबारियों को तो जैसे मुंहमांगी मुराद मिल गई। उन्हें कोटा-परमिट और लाइसेंस के हजारों झंझटों से एक झटके में आजाद कर दिया गया। उसके बाद की कहानी तो एक पूरा इतिहास ही है।

> "आज रोजगार, महंगाई और कारोबार के दर्द को महसूस करें, तो शक होता है कि आर्थिक उदारीकरण से मिली उपलब्धि कोई फसाना तो नहीं"

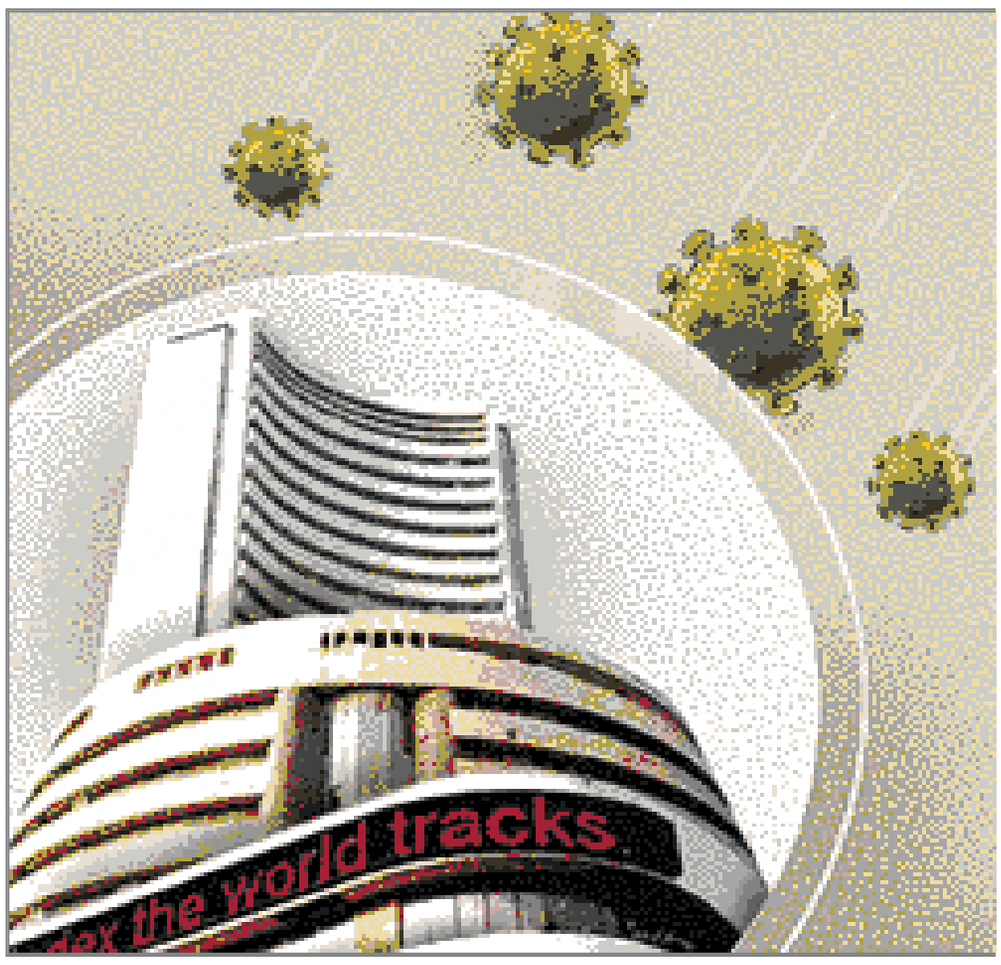

लेकिन यह किस्सा सिर्फ व्यापारियों और उद्योगपतियों को मिली छूट या सरकारी घाटे में कटौती के आंकड़े से समझा नहीं जा सकता। दरअसल, उस बजट ने एक बुनियाद तैयार की थी एक नई तरह की आर्थिक नीति की। इसमें सरकार की ताकत या गैर-जरूरी दखलंदाजी को कम करने और जो लोग भी अपना व्यापार या कारोबार करना चाहें, उनकी जिंदगी आसान बनाने पर जोर दिया गया था। इससे आम इंसान को दो तरह से फायदा हुआ। एक, सरकारी नौकरियों के चक्कर से निकलकर बहुत से नौजवान या तो अपने-अपने छोटे काम-धंधों में लगे या फिर उन्हें ऐसी निजी नौकरियां आसानी से मिलने लगीं, जहां पैसे भी अच्छे थे और तरक्की की उम्मीद भी ज्यादा। तब से अब तक का हाल समझने के लिए कुछ आंकड़ों पर नजर डालना ही काफी है। उससे पहले भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़त दर या जीडीपी ग्रोथ रेट का औसत 3.5 फीसदी से 4.4 फीसदी तक पहुंच पाया था। वहीं, 1991 के बाद यह पहले 10 वर्षों में 5.5 प्रतिशत और फिर बढ़कर सात फीसदी से ऊपर तो पहुंच ही चुका था। 2004 के बाद तो ज्यादातर अर्थशास्त्री उम्मीद जताने लगे थे कि अब भारत 10 फीसदी या उससे ऊपर की रफ्तार पकड़ सकता है। हालांकि, वह उम्मीद पिछले कुछ समय में फीकी पड़ गई है। फिर भी, इन 30 बरसों में देश की जीडीपी यानी देश में होने वाला कुल लेन-देन दस गुना से ज्यादा बढ़ा है। देश का कुल आयात 20 गुना हो गया है, जबकि निर्यात 16 गुना ही हो पाया है। मगर सबसे दिलचस्प नजारा है शेयर बाजार का।

यह कहना तो ठीक नहीं होगा कि 1991 से पहले भारत में शेयर बाजार नहीं था या लोग इसमें हिस्सेदारी नहीं निभाते थे। लेकिन अगर 1875 में शुरू हुए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स जून 1991 में 1,248 पर था और अब 52,975 पर है, तो 30 साल में 44 गुना होने का काफी श्रेय आर्थिक सुधारों को ही जाएगा। फिर, उस वक्त देश के म्यूचुअल फंडों में कुल मिलाकर 80 हजार करोड़ रुपये जमा थे, जो अब 34 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुके हैं, यानी 71 गुना। और इस वक्त भी देश में अगर कोई चीज पूरी रफ्तार से दौड़ रही है, तो वह बस शेयर बाजार ही है। पिछले साल भर में ही म्यूचुअल फंडों की रकम 22 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 34 लाख करोड़ हुई है और सेंसेक्स भी लगभग 40 फीसदी बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार तो इस कदर लबालब है कि अब वह दुनिया में चौथे नंबर पर पहुंच गया है। 612 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम जमा है इसमें और सरकार के लोग इसे भी अपनी एक बड़ी उपलब्धि की तरह पेश करने में पीछे नहीं हैं।

यह सब देखकर लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है। लेकिन अपने आसपास का हाल देखें। आज रोजगार, महंगाई और कारोबार के दर्द को महसूस करें, तो शक होता है कि समृद्धि और तरक्की की ये बातें कोई फसाना तो नहीं। शायद ऐसे में राह दिखाने के लिए ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक संदेश आया है। सुधारों की 30वीं सालगिरह पर उन्होंने कहा है कि इस वक्त आगे की राह उससे भी कहीं ज्यादा कठिन है, जैसी 1991 के आर्थिक संकट के समय थी। एक राष्ट्र के रूप में हमें अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय करनी होंगी और सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हरेक भारतीय को एक सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन मिल सके।

साफ है, रास्ता बहुत मुश्किल है और शेयर बाजार में जो बहार दिख रही है, वह असलियत का प्रतिबिंब नहीं है। लेकिन वक्त घबराने या हथियार डालने का नहीं, बल्कि कमर कसकर पक्के इरादे के साथ चीजों को दुरुस्त करने में जुट जाने का है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतर्मन

भविष्य के लिए वर्तमान गंवाना नासमझी

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज जहां देखिए, लोग आपको वर्तमान से क्षुब्ध और भावी की चिंताओं को लेकर तनावपूर्ण जीवन जीते हुए मिलेंगे। बेटे-बेटी कैसे पढ़ेंगे? उनकी नौकरी कैसे और कहां लगेगी? हमारा अपना मकान कब बनेगा? जैसी छोटी-बड़ी उलझनों को लेकर हम अपने वर्तमान को ही विषाक्त बनाए रहते हैं। यहां तक कि आज दफ्तर में बॉस का मूड जाने कैसा होगा? आज देर हो गई, जाने बस भी मिलेगी या नहीं? और बस, पूरा दिन तनाव की भेंट कर के हम हाई ब्लडप्रेशर के शिकार बन कर अपने सुखी वर्तमान को अनजाने भविष्य की चिंताओं की भेंट चढ़ा देते हैं और कर्म से विमुख होकर जीवन नर्क बना लेते हैं।

व्यर्थ की भावी चिंताओं को लेकर कबीर ने तो हमें बहुत बार चेताया है, लेकिन हम हैं कि संत कबीर की बात को भुला बैठे हैं-

चिन्ता ऐसी डाकिनी, काटि करेजा खाय।
बैद्य बिचारा क्या करै, कहां तक दवा खिवाय।

सच ही तो कहते हैं कबीर कि चिन्ता तो ऐसी डाकिनी है, जो आदमी का कलेजा खा जाती है और संसार का कोई वैद्य उसकी दवा नहीं दे सकता। नीतिकार रहीम ने तो और भी बड़ी बात इस चिन्ता को लेकर कही है-

रहिमन कठिन चितान तैं, चिंता को चित चेत।
चिता दहति निर्जीव को, चिन्ता जीव-समेत।

बहुत बड़ी बात रहीम कह रहे हैं कि 'चिता' तो निर्जीव को जलाती है, जबकि 'चिन्ता' तो जीवित को जलाती है। तब इस चिन्ता का करें क्या? आज तो महानगरों के साथ ही गांवों तक हर आदमी किसी न किसी चिन्ता में उलझा हुआ अपने जीवन को नर्क बना रहा है।

आज टॉलस्टॉय की एक कहानी आप सबसे साझी कर रहा हूं। कहानी यूं है—यमराज ने अपने दूत को पृथ्वी से एक महिला के प्राण लाने को भेजा। यमदूत आया तो देखा कि जिस महिला के प्राण ले जाने हैं, उसने अभी तीन बेटियों को जन्म दिया है, जिनमें से एक तो इसके स्तन से चिपकी है, दूसरी रो रही है और तीसरी सोई है। यमदूत को दया आ गई और खाली हाथ लौटकर यमराज से बोला कि मैं उस महिला की अबोध बच्चियों को देखकर उसके प्राण नहीं ला सका। क्या उसे कुछ दिन जीवित नहीं रख सकते? यमराज ने कहा कि तुमने भावी की चिंता में पड़ के अपने कर्तव्य को छोड़ा है, इसलिए तुम्हें मृत्यु लोक में जाना होगा। वहां रहकर जब तुम अपनी मूर्खताओं पर तीन बार हंसोगे, तब यह सज़ा खत्म हो पाएगी। यमदूत धरती पर आ गया। उसने देखा कि एक मोची अपने बच्चों के लिए जूते और मिठाई आदि लेने शहर जा रहा है, पर दूत की दुर्दशा देखकर उसने कंबल खरीदा और दूत को देकर बोला कि तुम मेरे साथ घर चलो, लेकिन मेरी पत्नी गुस्सा करे, तो चिंता मत करना, क्योंकि मैंने तुम्हारी दुर्दशा देखकर सारे पैसे खर्च कर दिए हैं।

यमदूत जोर से हंसा, तो मोची ने पूछा कि तुम हंसे क्यों? दूत बोला कि जब तीन बार हंस लूंगा, तब तुम्हें सब बताऊंगा। मोची के साथ यमदूत घर आया तो मोची की पत्नी क्रुद्ध हुई, लेकिन फिर चुप हो गई कि चलो, घर के काम करने को नौकर तो मिल गया। मोची का काम दूत करने लगा तो उसकी शौहरत फैल गई और राजा ने अपने जूते बनवाने के लिए अनमोल चमड़ा मोची को देते हुए कहा कि इसके जूते बनाने हैं, स्लीपर नहीं। स्लीपर तो मरने पर पहने जाते हैं। दूत ने चमड़े से जूते की जगह स्लीपर बना दिए, तो मोची चिल्लाया कि अब तो राजा फांसी दे देगा, लेकिन तभी मंत्री आया और बोला कि राजा मर गया है, इसलिए जूते नहीं, स्लीपर चाहिए। यमदूत जोरों से हंसा।

तभी एक महिला और तीन युवतियां वहां आईं और बढ़िया जूते मांगे, तो यमदूत ने पूछा कि ये तीन युवतियां आपकी बेटियां हैं क्या? तो महिला बोली कि ये मेरी गरीब पड़ोसन की बेटियां हैं, इनकी मां जन्म देते ही मर गई थी, इसलिए मैंने इन्हें पाला है और अब मेरी सारी दौलत की हकदार ये तीनों ही हैं। दूत तीसरी बार हंसा तो मोची ने पूछा कि क्यों हंसे हो, तब दूत बोला कि ये तीनों वही बच्चियां हैं, जिनके भविष्य की चिंता में पड़कर मैंने अपने कर्तव्य से मुख मोड़ा था। आज मेरी सजा पूरी हो गई, इसलिए मैं जा रहा हूं। इस कहानी का सार यही है कि हम व्यर्थ ही भावी की चिंताओं में उलझ कर कर्म से विमुख होते हैं और जीवन को तनावों से भर लेते हैं। कबीर को याद करें तो हमें बहुत बड़ी राहत मिलेगी :

कबिरा चिन्ता क्या करूं, चिन्ता से क्या होय।
मेरी चिन्ता हरि करै, चिन्ता मोहि न कोय।

आइए, संकल्प करें कि भविष्य को प्रभु के हाथ छोड़कर हम वर्तमान के अपने कर्म करें और सुखी रहें।

कोचिंग संस्थान

पाबंदी कतई अक्लमंदी नहीं

रिजवान अंसारी

देश में कोरोना वायरस की दस्तक के बाद लॉकडाउन प्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार समेत राज्य सरकारों की खासी आलोचना होती रही है। खासकर स्वास्थ्य महकमे की नाकामी के चलते सरकारों को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। लेकिन एक ऐसा भी विभाग है जिसकी बदहाली और तंगहाली ने बहुत ही कम लोगों का ध्यान खींचा है। गौर कीजिए कि पिछले साल मार्च में जब देशबंदी का ऐलान हुआग तब सारे शिक्षण संस्थान बंद हो गए थे। अनलॉक के बाद धीरे-धीरे सिनेमा, मॉल, जिम आदि को खोल दिया गया। बाजारों में लोगों का हुजूम कोरोना वायरस को आमंत्रित करता रहा लेकिन दूसरी तरफ शिक्षण संस्थान बंद पड़े रहे। इक्का-दुक्का मामलों को छोड़ दें, तो ये संस्थान अब तक बंद पड़े हैं। हालांकि, ऑनलाइन के नाम पर छात्रों और अभिभावकों को एक झुनझुना जरूर पकड़ा दिया गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब परिवारों में इसकी जमीनी हकीकत किसी से भी छुपी नहीं है।

छात्र स्कूल और कॉलेज में पढ़े बिना किसी तरह सिलेबस को पूरा कर परीक्षा देने को बेबस हैं। समझ ही नहीं पा रहे हैं कि कैसे पढ़ें और क्या पढ़ें। एक तरफ शिक्षण संस्थानों पर ताले जड़े हैं, तो दूसरी ओर परीक्षाओं के नाम पर छात्रों को सिर्फ तारीख पर तारीख ही मिल रही हैं। सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं के साथ-साथ राज्य बोर्ड परीक्षाओं का हाल हम पहले ही देख ही चुके हैं। ताज्जुब की बात यह है कि जिस स्कूली शिक्षा में एक दिन की भी अनुपस्थिति अच्छी बात नहीं मानी जाती है, वहां करीब 16 महीने स्कूलों के बंद होने पर हमारी सरकारों में कोई बेचैनी ही नहीं दिख रही। मालूम पड़ता है जैसे कि बच्चों को बेहतर और व्यवस्थित शिक्षा मुहैया कराना कोई मुद्दा ही नहीं रहा। दूसरी ओर, बाजारों और चुनावी रैलियों में बेतहाशा भीड़ से सरकारों को कोई दिक्कत नहीं है। ऐसे में छात्रों और अभिभावकों का बिफरना स्वाभाविक है।

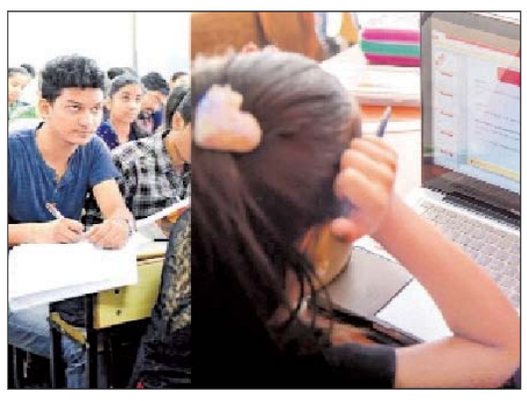

सरकार की इस ढुलमुल नीति का असर केवल स्कूलों और कॉलेजों पर ही नहीं पड़ रहा है, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों की तस्वीर भी बदतर है। देश में सरकारी नौकरियों की किल्लत से हम सब वाकिफ हैं। लेकिन, जो भी रिक्तियां निकल रही हैं, उनकी तैयारी के लिए छात्रों को कोचिंग का उपयुक्त सहयोग और मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। इसकी वजह है कि देश भर में कोचिंग संस्थान बंद पड़े हैं। आने वाले दिनों में संघ लोक सेवा आयोगग राज्य लोक सेवा आयोगों, एसएससी, एसबीआई कलर्क, आईबीपीएस कलर्क आदि के इम्तिहान दस्तक देने वाले हैं। इन परीक्षाओं में लाखों छात्रों का कॅरियर दांव पर लगा है। लेकिन, कोचिंग संस्थानों के बंद होने के चलते छात्र परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं।

कोचिंग संस्थानों पर ताले लटकने का नुकसान सिर्फ छात्र ही नहीं उठा रहे हैं, इनमें काम करने वाले हजारों कर्मचारियों की हालत भी खस्ता है यानी देश में बेरोजगारी पर हाहाकार मचाने में कोचिंग संस्थानों के इस पहलू का भी योगदान है। क्या आप यकीन करेंगे कि इससे पैदा होने वाली आतथक तंगी के चलते कई लोग आत्महत्या भी कर चुके हैं? दिल्ली में मुखर्जी नगर और ओल्ड राजेंद्र नगर सिविल सेवा की तैयारी के गढ़ माने जाते हैं। दोनों ही जगहों पर बड़े-बड़े नामी कोचिंग सेंटर हैं। लेकिन, इन तमाम संस्थानों की आतथक व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इन संस्थानों से जुड़े अध्यापक या तो बेरोजगार हो गए हैं, या कम वेतन पर काम कर रहे हैं। इसकी वजह है कि दिल्ली के ये संस्थान करीब डेढ़ साल से बंद पड़े हैं। लिहाजा, इन संस्थानों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। आम आदमी अलग-अलग रूप में प्रभावित हो रहा है।

कोचिंग संस्थानों को बंद रखने की सरकारी नीति इसलिए भी हास्यास्पद लगती है कि बाजारों में लगने वाली बेतरतीब भीड़ इन्हें मंजूर हैग लेकिन शिक्षण संस्थानों की बेंचों पर कायदे से बैठने वाले छात्रों की मौजूदगी कुबूल नहीं। क्या यह नहीं सोचा जा सकता कि सिनेमाघर, मल्टीप्लेक्स, स्टेडियम, जिम और बाजार से ज्यादा बेहतर ढंग से छात्र स्कूल और कोचिंग सेंटर की बेंचों पर बैठ सकते हैं? इसकी वजह है कि इन संस्थानों में शिक्षक बच्चों को शिष्टाचार पहले सिखाते हैं, और पढ़ाते बाद में हैं। लेकिन, सरकार की प्राथमिकता हैरान करने के सिवाय और कुछ भी नहीं है। छात्रों की तादाद तय करके उन्हें बैठा कर पढ़ाना कोई मुश्किल बात नहीं है। सभी सरकारों को चाहिए कि इस दिशा में जल्द-से-जल्द कदम उठाएं। जरूरी है कि इस बाबत एक रूपरेखा तैयार करें जिसके तहत बच्चों को बैठाने का इंतजाम हो। जब सारे काम हो सकते हैं, तो सिर्फ शिक्षा पर पाबंदी कतई अक्लमंदी का काम नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपये में तीन सत्रों की तेजी थमी, डालर के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ 74.42 पर बंद

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच रुपये में तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी थम गई और विदेशी विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया दो पैसे की हानि के साथ प्रति डालर 74.42(अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि रुपये में एक सीमित दायरे में घटबढ रही । निवेशकों को इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से आगे के संकेतों का इंतजार है। अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 74.43 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.40 के उच्च स्तर और 74.52 के निम्न स्तर तक हल्का होने के बाद अंत में प्रति डालर दो पैसे की गिरावट के साथ 74.42 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 74.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत घटकर 92.70 रह गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 123.53 अंक की गिरावट के साथ 52,852.27 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 0.42 प्रतिशत घटकर 73.79 डॉलर प्रति बैरल रह गयी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 163.31 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

एनटीपीसी आरईएल को मप्र के शाजापुर सौर पार्क में 325 मेगावॉट की परियोजनाएं मिली

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने सोमवार को कहा कि उसकी शाखा एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (आरईएल) को मध्य प्रदेश के शाजापुर सौर पार्क में 325 मेगावॉट की सौर परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी आरईएल मध्य प्रदेश के शाजापुर सौर पार्क में रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) की विजेता बनकर उभरी है। एनटीपीसी रिन्यूएबल्स ने क्रमशः 105 मेगावॉट और 220 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाएं हासिल की हैं। इसके लिए कंपनी ने क्रमशः 2.35 रुपये प्रति किलोवॉट (या प्रति यूनिट) और 2.33 रुपये प्रति किलोवॉट की सबसे कम बोली लगाई।

कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 1,642 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 1,244.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 8,062.81 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2020-21 की समान अवधि में 7,685.40 करोड़ रुपये थी। संपत्ति के मोर्चे पर बात की जाए, तो कुल ऋण पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) तिमाही के दौरान बढ़कर 3.56 प्रतिशत पर पहुंच गईं, जो जून, 2020 में 2.70 प्रतिशत पर थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए 0.87 प्रतिशत से बढ़कर 1.28 प्रतिशत हो गया। डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए बैंक का प्रावधान मामूली घटकर 934.77 रुपये रह गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 962.01 करोड़ रुपये था।

आर्थिक संकट से निपटने के लिए नहीं छापे जाएंगे नए नोट, निर्मला सीतारमण ने संसद में दिया जवाब

बिजनेस डेस्क:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप से पैदा हुए मौजूदा आर्थिक संकट से उबरने के लिए सरकार की मुद्रा नोटों को छापने की कोई योजना नहीं है। वित्त मंत्री से पूछा गया था कि क्या आर्थिक संकट से उबरने के लिए मुद्रा नोटों के मुद्रण की कोई योजना है। प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा, ''नहीं।'' अनेक अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों ने सरकार को सुझाव दिया है कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था में मदद के लिए और अधिक मुद्रा नोटों को छापा जाए।

तेजी से उबर रही है भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2020-21 के दौरान भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.3 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि विकास दर में कमी का अनुमान महामारी और महामारी को रोकने के लिए किए गए उपायों के कारण है। वित्त मंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के खुलने के साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रमुख घटक मजबूत बने हुए हैं। साथ ही आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत सरकार की तरफ से दिए जा रहे समर्थन की वजह से वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही से ही अर्थव्यवस्था संकट से उबरने के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था को रास्ते पर लाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार ने महामारी के असर से निपटने, आर्थिक विकास को गति देने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आत्मनिर्भर भारत के तहत 29.87 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी।

सोने में 169 रुपये की तेजी, चांदी 396 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजार में तेजी के रुख और रुपये के मूल्य में गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 169 रुपये की तेजी के साथ 46,753 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 46,584 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 396 रुपये की तेजी के साथ 66,080 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसका पिछला बंद भाव 65,684 रुपये था। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव चार पैसे की गिरावट के साथ 74.44 रुपये प्रति डॉलर रह गया था। बाजार में सोना लाभ के साथ 1,808 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.32 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''अमेरिकी ट्रेजरी बिल पर निवेश प्रतिफल गिरने और डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने को समर्थन मिला।''

टाटा मोटर्स का पहली तिमाही का शुद्ध घाटा कम होकर 4,450 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्लीः घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स का चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में एकीकृत शुद्ध घाटा कम होकर 4,450.12 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में कंपनी को 8,443.98 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत परिचालन आय जून 66,406.05 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 31,983.06 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की आय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 5 अरब पौंड रही जो एक साल पहले 2020-21 की समान तिमाही के मुकाबले 73.7 प्रतिशत अधिक है। जेएलआर को कर पूर्व 11 करोड़ पौंड का नुकसान हुआ। एकल आधार पर टाटा मोटर्स को आलोच्य तिमाही में 1,330.74 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ। एक साल पहले 2020-21 की पहली तिमाही में कंपनी को एकल आधार पर 2,190.64 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी की एकल आधार पर परिचालन आय जून, 2021 को समाप्त तिमाही में 11,904.19 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 2,686.87 करोड़ रुपए थी।

बायजजू ने 600मिलियन डॉलर में सिंगापुर स्थित ग्रेट लर्निंग का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली।

बायजूज ने 600 मिलियन डॉलर में पेशेवर और उच्च शैक्षिक स्टार्टअप, ग्रेट लर्निंग का अधिग्रहण कर लिया है। साझेदारी 1 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता के साथ व्यावसायिक और उच्च शिक्षा खंड में बायजूज के प्रवेश को चिह्नित करती है। यह कदम शिक्षा प्रौद्योगिकी और सामग्री में बायजूज के नेतृत्व को छात्रों और पेशेवरों के लिए अपस्किलिंग में ग्रेट लर्निंग की विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है। ग्रेट लर्निंग अपने संस्थापकों, मोहन लखमराजू, हरि नायर और अर्जुन नायर के नेतृत्व में अपने वर्तमान नेतृत्व में काम करना जारी रखेगी। दुनिया की अग्रणी एडटेक कंपनी बायजूज ने अपने फ्लैगशिप लर्निंग ऐप पर 100 मिलियन पंजीकृत छात्रों के साथ आज सिंगापुर मुख्यालय ग्रेट लर्निंग का अधिग्रहण किया, जो पेशेवर और उच्च शिक्षा खंड में एक अग्रणी वैश्विक संस्थान है। इसने ग्रेट लर्निंग के विकास को गति देने के लिए इस सेगमेंट में और 400 मिलियन डॉलर का निवेश निर्धारित किया है। यह अधिग्रहण बायजूज को प्रोफेशनल अपस्किलिंग और लाइफ-लॉन्ग लर्निंग स्पेस में वैश्विक स्तर पर 1 बिलियन डॉलर की कुल प्रतिबद्धता के साथ मजबूत धक्का देता है, के12 और टेस्ट प्रेप सेगमेंट से परे अपनी पेशकशों का विस्तार करता है और कंपनी की विकास योजनाओं को और तेज करता है। यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण समय में ग्रेट लर्निंग के मांगे जाने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ बायजूज की तकनीक और सामग्री विशेषज्ञता को एक साथ लाती है। जब कोविड-19 महामारी और विकसित उद्योग की गतिशीलता ने भारत में और विश्व स्तर पर पेशेवरों को खुद को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। ग्रेट लर्निंग अपने संस्थापक और सीईओ, मोहन लखमराजू और सह-संस्थापक, हरि नायर और अर्जुन नायर के नेतृत्व में बीजू स समूह के तहत एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करना जारी रखेगा। इस पर्याप्त निवेश के साथ, ग्रेट लर्निंग भारत और वैश्विक बाजारों में अपने जैविक और अकार्बनिक विकास को गति देगा और हर जगह शिक्षार्थियों के लिए अपनी उच्च गुणवत्ता, परिवर्तनकारी पेशकशों का विस्तार करेगा। बायजजू के संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कहा, सही भविष्य के कौशल के साथ शिक्षार्थियों को सशक्त बनाना हमारी दृष्टि का एक मूलभूत हिस्सा है। उन्होंने कहा, ग्रेट लर्निंग एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित पेशेवर शिक्षा कंपनी है और यह साझेदारी इस नए खंड में हमारी पहुंच का विस्तार करती है। हम इस प्रतिस्पर्धी वैश्विक अर्थव्यवस्था में पेशेवरों को उच्च-गुणवत्ता और उद्योग-प्रासंगिक शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के हमारे मिशन में एकजुट हैं। अपनी संयुक्त ताकत के साथ, हम इस सेगमेंट में एक वैश्विक बाजार में सबसे बड़े बनने का लक्ष्य रखते हैं।

सेंसेक्स 124 अंक टूटा, निफ्टी 15,850 अंक से नीचे आया

मुंबई,

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में नुकसान तथा वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच सोमवार को सेंसेक्स 124 अंक फिसल गया। चीन ने प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ नियामकीय अंकुश बढ़ाए हैं जिससे वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। इसके अलावा बाजार भागीदारों को इस सप्ताह होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक का भी इंतजार है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 123.53 अंक या 0.23 प्रतिशत के नुकसान से 52,852.27 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में दो कारोबारी सत्रों के बाद गिरावट आई है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 31.60 अंक या 0.20 प्रतिशत टूटकर 15,824.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे अधिक 1.36 प्रतिशत नीचे आया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी तथा इंडसइंड बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, टाइटन, और टाटा स्टील के शेयर 2.46 प्रतिशत चढ़ गए। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में एक प्रतिशत का लाभ रहा। बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध (बुनियादी) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशियाई बाजारों के नकारात्मक रुख के बीच भारतीय बाजारों की शुरुआत नुकसान के साथ हुई। हालांकि, दोपहर के कारोबार में बाजार सकारात्मक और नकारात्मक दायरे में घूमता रहा। बाजार के निवेशक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख को लेकर चिंतित हैं। एफपीआई ने जुलाई में अबतक भारतीय शेयरों से 5,689 करोड़ रुपये की निकासी की है।''

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बाजार लाभ-हानि के बीच झूलता रहा। वैश्विक बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा। नायर ने कहा कि सरकार द्वारा नियमनों को सख्त किए जाने के बाद चीन में शिक्षा, संपत्ति और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शेयरों में जबर्दस्त गिरावट आई। बीएसई स्मॉलकैप 0.34 प्रतिशत चढ़ गया। मिडकैप में 0.06 प्रतिशत का लाभ रहा। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। जापान के निक्की में लाभ रहा। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में चल रहे थे।

बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.34 प्रतिशत के नुकसान से 73.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे टूटकर 74.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 163.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ईंधन उपभोक्ताओं को मिली राहत, पेट्रोल, डीजल की कीमतों में कोई संशोधन नहीं

नई दिल्ली।

तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सोमवार को लगातार नौवें दिन ईंधन की कीमतों में संशोधन को रोका हुआ है, जो हफ्तों में सबसे लंबी अवधि है। इसकी वजह ये है कि तेल उत्पादन पर वैश्विक विकास और अमेरिकी इन्वेंट्री बढ़ने से कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में नरमी आई है।

हालांकि, उन्होंने पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्य को कम करने से रोक दिया है क्योंकि किसी भी गिरावट के संशोधन से पहले तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का अध्ययन करने के लिए अधिक समय की जरूरत होगी। पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल में थोड़ी मजबूती आई है और इससे ओएमसी द्वारा कीमतों में कटौती को रोका जा सकता है। सोमवार को कीमतों में कोई बदलाव नहीं होने से राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 101.84 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है, जबकि डीजल भी 89.87 रुपये प्रति लीटर की अपरिवर्तित कीमत पर बेचा जा रहा है। ईंधन की पंप कीमत 18 जुलाई से स्थिर है। इससे एक दिन पहले पेट्रोल में 30 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, जबकि डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ईंधन की कीमतों में वृद्धि में ठहराव के मुख्य कारणों में से एक वैश्विक तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी गई है, जिसमें बेंचमार्क क्रूड 69 डॉलर प्रति बैरल है जो कुछ हफ्ते पहले 77 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा था। मजबूत मांग अनुमानों पर यह फिर से बढ़कर 73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। ओपेक के कच्चे उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के साथ, तेल की कीमतें नरम रहने की उम्मीद है। यह लंबे अंतराल के बाद भारत में ईंधन की कीमतों में वास्तव में गिरावट का रास्ता बना सकता है। मुंबई शहर में जहां पेट्रोल की कीमतें 29 मई को पहली बार 100 रुपये के पार हो गई हैं, वहीं ईंधन की कीमत 107.83 रुपये प्रति लीटर है। शहर में डीजल की कीमत भी 97.45 रुपये है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। सभी महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अब 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर गई हैं। ईंधन की कीमतों में 41 दिनों की वृद्धि और 1 मई से 46 दिनों तक अपरिवर्तित रहने के बाद कीमतों में ठहराव आया है। 41 की बढ़ोतरी ने दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 11.44 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसी तरह, राष्ट्रीय राजधानी में डीजल में 9.14 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई।

सैमसंग, पेटीएम, टीसीएस, माइक्रोसाफ्ट, अडानी ग्रुप तथा हल्दीराम ने नोएडा में किया निवेश, मिलेगा रोजगार

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश तथा विदेश के 855 बड़े निवेशको का नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण से औद्योगिक प्लाट खरीदकर 20,560 करोड़ रुपए का निवेश कर अपना उद्यम स्थापित कर रहे है, जिसमें 1,47,703 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। निवेश करने वालों में सैमसंग, पेटीएम, टीसीएस, माइक्रोसाफ्ट, अडानी ग्रुप, केंट आरओ तथा हल्दीराम जैसे बड़े निवेशक हैं।

नोएडा में तो अब यह भी चर्चा भी होने लगी है कि जेवर एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य तेज होते ही यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में अपना उद्यम स्थापित करने वाले निवेशकों की संख्या में इजाफा होगा। इसका लाभ नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण को भी होगा। यहां उद्योग लगाने वाले निवेशकों की संख्या में और इजाफा होगा।

नोएडा के बड़े निवेशकों के बीच शुरू हुई यह चर्चा में अकारण नहीं है। औद्योगिक विकास के अधिकारियों के अनुसार नोएडा में जिन 855 बड़े निवेशकों ने औद्यगिक प्लाट लिया हैं, उनमें से तमाम निवेशको ने अपनी यूनिट की स्थापना का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। सैमसंग कंपनी ने नोएडा में मोबाइल डिस्प्ले यूनिट लगाई है। 4826 करोड़ रुपए का निवेश कर लगी लगी सैमसंग की फैक्ट्री में 2500 लोगों को रोजगार मिला है। इसी प्रकार पेटीएम ने 302 करोड़ रुपए का निवेश का अपना उद्यम स्थापित किया है। 15 हजार लोगों को पेटीएम से रोजगार मिला है। आईटी सेक्टर में टीसीएम ने 2300 करोड़ रुपए और मदरसन ग्रुप ने 47 करोड़ रुपए का निवेश नोएडा में किया है।

डेटा प्रोसेसिंग के सेक्टर में अडानी ग्रुप ने भी 2500 करोड़ का निवेश करने के लिए 39,146 एकड़ भूमि ली है। बहुराष्ट्रीय माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने भी आईटी सेक्टर में 1000 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए 60,000 एकड़ भूमि ली है। प्रापर्टी के कारोबार में आईएनजीकेए कंपनी ने 5500 करोड़ का निवेश करने के लिए 47833 एकड़ भूमि खरीदी है। इसके अलावा वेस्टवे इलेक्ट्रॉनिक्स, डिक्सन टेक्नोलॉजी, वीवोटेक्स प्रोजेक्ट, रोटो पंप्स लिमिटेड, अग्रवाल एसोसिएट्स, नेसुने सिस्टम, एडवर्ब टेक्नालॉजी, सुरभि ग्रुप, आइकिया सलूशन, यू फ्लेक्स लिमिटेड, केंट आरओ ने भी नोएडा में जमीन ली है।

बोइंग को विमानों के जरूरी कलपुर्जों की आपूर्ति करेगी आजाद इंजीनियरिंग

हैदराबाद:

एरोस्पेस उद्योग में इस्तेमाल किए जाने वाला जरूरी रोटेटिंग कलपुर्जे बनाने वाली हैदराबाद की कंपनी आजाद इंजीनियरिंग ने विमान विनिर्माता बोइंग के साथ महत्वपूर्ण कलपुर्जों के निर्माण और आपूर्ति के लिए एक अनुबंध किया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की प्रौद्योगिकी में सुधार, गुणवत्ता एवं औद्योगिक सुरक्षा के निरंतर चलन ने उसे दुनियाभर के ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार बनाया है। आजाद इंजीनियरिंग के प्रबंध निदेशक राकेश चोपदार ने कहा, बोइंग के साथ काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह अनुबंध गुणवत्ता, सटीकता, और सहयोग की संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। निश्चित रूप से आजाद इंजीनियरिंग और बोइंग के बीच सहयोग तेलंगाना में बढ़ते एरोस्पेस तंत्र में एक मील का पत्थर है।

आजाद इंजीनियरिंग टर्बाइन और एरोस्पेस उद्योग के लिए जटिल और काफी जरूरी कलपुर्जे और मशीनीकृत हिस्सों के निर्माण की क्षमता रखती है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि आजाद बोइंग को 2022 की पहली तिमाही से हाइड्रोलिक और मैकेनिकल फिटिंग सहित महत्वपूर्ण कलपुर्जों की आपूर्ति शुरू कर देगी।

रोलेक्स रिंग्स का आइपीओ 28 जुलाई को खुलेगा

- इश्यू से कंपनी जुटाएगी 713 करोड़ रुपए

मुंबई ।

ऑटो कम्पोनेंट बनाने वाली कंपनी रोलेक्स रिंग्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपलीओ) 28 जुलाई को खुलेगा और 30 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ की एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 27 जुलाई को बिडिंग के लिए खुलेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 880-900 रुपए तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 731 करोड़ रुपए जुटाएगी।इस इश्यू में 56 करोड़ रुपए का नया इश्यू और रिवेंडेल पीई द्वारा 750 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल शामिल है। वर्तमान में रिवेंडेल की रोलेक्स रिंग्स में 41 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस आईपीओ से जुटाई रकम का इस्तेमाल कंपनी की लॉन्ग-टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के जनरल कॉर्पोरेट उद्देश्यों पर खर्च करेगी। मार्केट ऑबजर्ब्स के मुताबिक रोलेक्स रिंग्स का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लगभग 530 रुपए है, मार्केट एक अनऑफिशियल प्लेटफॉर्म है, जिसमें आईपीओ प्राइस बैंड की घोषणा के बाद आईपीओ शेयरों की लिस्टिंग तक ट्रेडिंग शुरू होती है। इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकर के रूप में नियुक्त किया गया है। कंपनी के इक्विटी शेयर बीएसई के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होंगे। रोलेक्स रिंग्स गुजरात के राजकोट की कंपनी है1 ये फोर्ज्ड और मशीन्ड कंपोनेंट बनाने में रोलेक्सि रिंग्स देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से है। कंपनी भारत और दुनिया के दूसरे देशों में बियरिंग और दूसरे ऑटोमोटिव कलपुर्जों की सप्लाई करती है। कंपनी टू-व्हीलर, पैसेंजर व्हीकल, कर्मशियल व्हीकल और ऑफ हाईवे व्हीकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, इंडस्ट्रियल मशीनरी, विंड टर्माइन, रेवले जैसे सेक्टरों के लिए कलपुर्जे बनाती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओलंपिक फेंसिंग : भारत की भवानी दूसरे ही दौर में बाहर हुई

नई दिल्ली । टोक्यो ओलंपिक की फेंसिंग (तलवार बाजी) स्पर्धा में भारत की एकमात्र प्रतियोगी भवानी देवी दूसरे ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। भवानी को राउंड 32 के मुकाबले में दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी मैनन ब्रुनेट ने हराया। भवानी देवी को इस मुकाबले में 7-15 से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ओलंपिक में भवानी का अभियान भी समाप्त हो गया। भवानी ओलंपिक तलवारवाजी मुकाबले में भाग लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। भवानी ने पहले दौर में महिला व्यक्तिगत सेबर इवेंट में ट्यूनीशिया की नादिया बेन अज़ीज़ी को 15-3 से हराकर जीत से अपना अभियान शुरु किया था। यह ओलंपिक इतिहास में भारत का पहला फेंसिंग (तलवार बाजी) मैच था। 27 साल की भवानी ने तीन मिनट के पहले पीरियड में एक भी अंक नहीं खोया और 8-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर यह ली। नादिया ने दूसरे पीरियड में वापसी के प्रयास किये पर भवानी ने अपनी बढ़त मजबूत करनी जारी रखी और छह मिनट 14 सेकेंड में मुकाबला जीत लिया। आठ बार की नेशनल चैम्पियन भवानी देवी कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप टीम इवेंट्स में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज़ मेडल जीत चुकी हैं। भवानी के करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ब्लैक कार्ड पा चुकी थीं।

टी20 सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो।

शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम के पास एकदिवसीय सीरीज के बाद अब श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज भी जीतने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। पहले टी20 मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां दूसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। जिस प्रकार पहले टी20 मैच में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है उससे उसके इरादे बुलंद हैं। भारतीय टीम की ओर से पहले टी20 में सूर्यकुमार यादवा ने शानदार बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने लंकाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम इस मैच में शायद ही कोई बदलाव करे। टीम प्रबंधन अगर इंग्लैंड दौरे के लिए चुने गए पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव को आराम देने का फैसला करता है तभी किसी दूसरे खिलाड़ी को अवसर मिल सकता है पर इसकी उम्मीद बेहद कम है। योजना में बदलाव होने की स्थिति में खराब फॉर्म को देखते हुए मनीष पांडे की जगह देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है। इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी नजरें रहेंगी। सैमसन को जब भी खेलने का मौका मिला तो अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं ला सके।

विकेटकीपर के तौर पर लोकेश राहुल भी एक विकल्प हैं और ऐसे में सैमसन के पास अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने के लिए अधिक समय नहीं है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक राहुल द्रविड़ को भी सैमसन से काफी उम्मीदें हैं और अगर वह बचे हुए दो मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहते हैं तो यह श्रृंखला उनके लिए अंतिम मौका साबित हो सकती है। टीम के लिए हार्दिक पंड्या की बल्लेबाजी फॉर्म भी चिंता का कारण जो श्रीलंका के खिलाफ अब तक अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उन्होंने गेंदबाजी ठीक की है पर वह पहले की तरह प्रभावी नहीं दिखे। स्पिनर युजवेंद्र चहल और वरूण चक्रवर्ती एक बार फिर प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 20 से अधिक खिलाड़ियों का चयन होने की उम्मीद है और ऐसे में चक्रवर्ती तथा चहल दोनों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम के लिए राह बेहद कठिन है लगातार हार से टीम का आत्मविश्वास भी कमजोर हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक नाकाम रह हैं। चरिथ असालंका ने पहले मैच में 44 रन की पारी खेलकर भारत पर दबाव डालने का प्रयास किया था पर अहम अवसरों पर कप्तान दासुन शनाका की टीम अपना प्रभाव नहीं दिखा पायी है। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये जबकि गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं।

फीडे विश्व कप शतरंज - वासिफ़ से विदित नें मुश्किल मैच बचाया

सोच्ची , रूस (निकलेश जैन)

विश्व कप शतरंज प्रतियोगिता के पांचवें दौर के मुक़ाबले शुरू हो चुके है और एक बार फिर दो क्लासिकल मुकाबलों के आधार पर तय होगा की कौन से 8 खिलाड़ी क्वाटर फाइनल मे प्रवेश करेंगे । भारत के विदित गुजराती का मुक़ाबला अजरबैजान के वासिफ़ दुरारबायली से हो रहा है । पहले क्लासिकल मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे विदित नें स्लाव ओपनिंग मे नयी चालों को शामिल करते हुए वासिफ़ को मुश्किल मे डाल दिया था पर खेल की 20वीं चाल मे वजीर की गलत चाल से उनका खेल मुश्किल मे पड़ गया और वासिफ़ का प्यादा वजीर के हिस्से मे काफी आगे बढ़ गया और ऐसा लगा की विदित की हार नजदीक है पर विदित नें हार ना मानते हुए अपने वजीर से कुछ हमले जारी रखे और खेल की 32वीं चाल मे पहले वजीर की अदला बदली और 33वीं चाल मे वासिफ़ की हाथी की गलत चाल से विदित नें मैच मे बराबरी हासिल कर ली और खेल 56 चालों के बाद अनिर्णीत समाप्त हुआ । अब दूसरे क्लासिकल मुकाबलों मे विदित के सामने काले मोहरो से जीतने की चुनौती होगी । अन्य मुकाबलों मे पहले दिन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से , रूस के सेरगी कार्याकिन नें फ्रांस के मकसीम लागरेव से ,यूएसए के सैम शंकलंद नें रूस के पीटर स्वीडलर से ,रूस के व्लादिमीर फेडोसीव नें बेलारूस के ईविक विलिमिर से । पोलैंड के जान डुड़ा ने रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से ,पोलैंड के पीओरून कैस्पर नें फ्रांस के एटीने बकरोट से बाजी ड्रॉ खेली जबकि दिन की एकमात्र जीत हासिल की अर्मेनिया के हैक मरतिरोसयान नें जिंहोने ईरान के अमीन ताबतबाई को मात दी

तैराक खड़े ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुंबई। भारतीय तैराक वीरधवल खड़े ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है जिन्होंने कहा कि भारतीय तैराकों को ओलंपिक के लिए नहीं भेजना चाहिए था। खड़े ने कुछ चुनिंदा लोगों को जवाब दिए जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज और माना पटेल के प्रदर्शन की आलोचना की थी। एक व्यक्ति ने ट्वीट कर लिखा, अगर तैयारी नहीं है तो खिलाड़ियों को भेजना बंद करें। यह ओलंपिक है, कोई लो ग्रेड टूर्नामेंट नहीं है। ये खिलाड़ी अपने निजी सर्वश्रेष्ठ तक भी नहीं पहुंच सके। बहुत शर्म की बात है। ट्यूनिशिया से कुछ सीखने की जरूरत है। 2010 एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले खड़े ने जवाब देते हुए लिखा, आपका समाधान यह है कि खिलाड़ियों को नहीं भेजा जाए। घर में बैठकर टिप्पणी करना बहुत आसान है। मुझे यकीन है कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली हर मैच में शतक नहीं बनाते। शायद बीसीसीआई को कोहली को बाहर रखने के बारे विचार करना चाहिए। ट्रोल उनकी बात से सहमत नहीं हुआ और उसने कहा, क्रिकेट एक टीम का खेल है, व्यक्तिगत नहीं। ओलंपिक में विभिन्न देशों के एथलीटों को देखें। ट्यूनिशिया जैसे छोटे देश ने स्वर्ण जीता। खड़े ने कहा, हमारे तैराक ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए पिछले एक साल में काफी मेहनत की जो तारीफ के काबिल है। हम 10 वर्ष पहले जैसे थे उससे ज्यादा बेहतर हैं और आने वाले 10 वर्ष में हम और अधिक बेहतर होंगे। खड़े के इस जवाब से भी हालांकि ट्रोलर्स सहमत नहीं हुआ।

ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की वतन वापसी पर गर्मजोशी से हुआ स्वागत

नई दिल्ली ।

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू सोमवार को स्वदेश लौटी तो हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चानू सुरक्षाकर्मियों के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकली, जहां उनके चेहरे पर मास्क और फेस शील्ड लगा था। उन्होंने यहां पहुंचने के बाद ट्वीट किया कि इतने प्यार और समर्थन के बीच यहां वापस आकर खुशी हो रही है। बहुत-बहुत धन्यवाद। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का 'भारत माता की जय% के नारों से स्वागत किया गया और भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 49 किग्रा वर्ग में कुल 202 किग्रा (87 किग्रा + 115 किग्रा) भार उठाकर शनिवार को रजत पदक हासिल किया था। इससे पहले भारोत्तोलन में 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी के कांस्य पदक जीता था। इस शानदार प्रदर्शन से उन्होंने 2016 के खेलों की निराशा को दूर किया जहां वह एक भी वैध भार उठाने में विफल रही थी। चानू पूर्व विश्व चैंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भी रह चुकी हैं।

वह इन खेलों से पहले अमेरिका में अभ्यास कर रही थी और अपने आत्मविश्वास से भरे प्रदर्शन के साथ पदक की उम्मीदों पर खरी उतरी।

संक्षिप्त समाचार

खेल मंत्री लक्ष्मी रतन शुक्ला के कड़े नियम, सोशल मीडिया से दूर रहना और लंबे बालों को कटवाना

कोलकाता। बंगाल के पूर्व कप्तान और खेल मंत्री लक्ष्मी रतन शुक्ला ने फिटनेस शिविर के साथ अंडर-23 कोच के रूप में नई पारी की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने अपने खिलाड़ियों के लिए कड़े नियम लागू किए हैं, नियमों के अनुसार सोशल मीडिया से दूर रहना और लंबे बालों को कटवाना शामिल है। बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट में दिग्गज खिलाड़ी रहे शुक्ला 2016 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े थे। इस साल जनवरी तक वह युवा मामलों और खेल के राज्यमंत्री थे। शुक्ला को बाद में टीएमसी का हावड़ा जिलाध्यक्ष बनाया गया, लेकिन पिछले विधानसभा चुनावों से ठीक पहले उन्होंने क्रिकेट पर अधिक ध्यान लगाने के लिए पद और राजनीति छोड़ दी। उन्होंने बंगाल की अंडर-23 टीम के कोच के रूप में वापसी की। चालीस साल के पूर्व खिलाड़ी ने प्रभार संभालने के बाद कहा, ''मैंने लड़कों से कहा है कि वे सोशल मीडिया पर कुछ नहीं डालें। उन्हें शिष्टाचार और अनुशासन बनाए रखना होगा।'' फिटनेस शिविर चार घंटे से अधिक समय चला जिसमें 60 क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। इन क्रिकेटरों को समूहों में बांटा गया था शुक्ला ने कहा, लंबे बाल वाले खिलाड़ियों के तुरंत अपने बाल कटवाना होगा। तीसरी बात, टीम एकजुटता के लिए उन्हें बंगाली सीखनी होगी। उन्होंने कहा, जूनियर स्तर से सीनियर टीम में खिलाड़ियों का आना बेहद महत्वपूर्ण है और इसकारण है कि मैंने जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का विकल्प चुना है। भारत के लिए तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले शुक्ला ने कहा कि उनका काम यह सुनिश्चित करना है, कि बंगाल के अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाएं।

सूर्यकुमार के आउट होने के तरीके से निराश हैं द्रविड़

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 क्रिकेट मैच में अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार यादव के आउट होने के तरीके से कोच राहुल द्रविड़ निराश हैं। तब सूर्यकुमार आउट हुए तब द्रविड़ टीम के डगआउट में बैठे थे और सूर्यकुमार के इस खराब शॉट से नाराज दिखे। उनके चेहरे पर निराशा साफ दिख रही थी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। हालांकि सूर्यकुमार को श्रीलंका में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए पृथ्वी शॉ के साथ इंग्लैंड दौरे पर भेजा जा रहा है। उन्हें चोटिल खिलाड़ियों के विकल्प के तौर पर टीम में जगह मिली है। ऐसे में वो श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे दो मैच में भी अच्छी पारी खेलने चाहेंगे जिससे पूरे आत्मविश्वास के साथ इंग्लैंड जाएं। आईपीएल 2020 के बाद से से ही मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार ने 38 पारियों में 38 से ज्यादा के औसत से 1323 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। सूर्यकुमार ने इससे पहले रणजी ट्रॉफी के सत्र में भी जमकर रन बनाये थे।

ओलंपिक (तैराकी) : ऑस्ट्रेलिया की टिटमस ने जीता 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक

टोक्यो।

विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की तैराक एरियन टिटमस ने सोमवार को यहां जारी टोक्यो ओलंपिक खेलों में महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में विश्व रिकॉर्ड होल्डर अमेरिका की कैथलीन लेडेकी को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अंतिम के 100 मीटर में कैथलीन को पीछे छोड़ तीन मिनट और 56.69 सेकेंड के ओलंपिक रिकॉर्ड समय में जीत हासिल की।रियो ओलंपिक चैंपियन कैथलीन ने 33ञ्57.36 के समय के साथ रजत और चीन की ली बिंगजी ने कांस्य पदक जीता। बिंगजी ने 4:01.08 के समय के साथ एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया, जिसके चलते वह 29.47 सेकंड के अंतिम लैप की बदौलत कानाडा की समर मैकिन्टोश से आगे निकल गई । समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने पुरुषों की 4 गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में तीन मिनट और 08.97 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। टीम में रियो ओलंपिक चैंपियन कैलेब ड्रेसेल, ब्लेक पियरोनी, बोवेन बेकर और जैच ऐप्पल शामिल थे। इन चारों खिलाड़ियों ने इस जीत के साथ अमेरिकी टीम के लिए खिताब बरकरार रखा। इटली 3:10.11 समय लेकर दूसरे स्थान पर था ऑस्ट्रेलिया इटली से 0.11 सेकेंड पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहा। रियो ओलंपिक चैंपियन एडम पिएटी ने पुरुष 100 मीटर ब्रैकस्ट्रोक में 57.37 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता और अपना खिताब बचाए रखा। कनाडा की मारगेरेट मैतनील महिला 100 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में 55.59 सेकेंड का समय लेकर पहले स्थान पर रहीं और उन्होंने इस इवेंट का स्वर्ण पदक जीता।

टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त, वर्ल्ड नम्बर 2 मेदवेदेव से हारे सुमित नागल

टोक्यो ।

भारत के सुमित नागल पुरुष एकल के दूसरे दौर में रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव के खिलाफ सीधे सेटों में शिकस्त के साथ तोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गए जिससे टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। दुनिया के 160वें नंबर के खिलाड़ी नागल को दूसरे वरीय मेदवेदेव के खिलाफ एक घंटा और छह मिनट चले मुकाबले में 2-6, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। मेदवेदेव ने पहले सेट में दो जबकि दूसरे सेट में तीन बार नागल की सर्विस तोड़ी। नागल पहले दौर में उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से हराकर ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बने थे। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले महिल युगल में अनुभवी सानिया मिर्जा और अंकिता रैना की जोड़ी को पहले दौर में ही ल्युडमाइला किचेनोक और नादिया किचेनोक की युक्रेन की जुड़वां बहनों की जोड़ी ने 0-6, 7-6, 10-8 से हराकर बाहर कर दिया था।

सोफिया पोलकानोवा से हार के बाद मनिका बत्रा का सफर समाप्त

टोक्यो ।

भारतीय खिलाड़ी मनिका बत्रा तोक्यो ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल में सोमवार को यहां आस्ट्रिया की सोफिया पोलकानोवा से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई। इससे पहले अपने से अधिक रैंकिंग की खिलाड़ियों को हराने वाले मनिका के पास विश्व में 16वें नंबर की पोलकानोवा के नियंत्रित और दमदार खेल का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 0-4 (8-11, 2-11, 5-11, 7-11) से यह मैच गंवाया। मनिका इससे पहले अचंता शरत कमल के साथ मिश्रित युगल में भी बाहर हो गयी थी।

टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए हर मौके का फायदा उठाना चाहता हूं- चहल

कोलंबो।

भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रत्येक अवसर का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं ताकि वह टी20 विश्व कप से पहले टीम में अपना स्थान पक्का कर सकें। श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की वर्तमान श्रृंखला के दौरान अच्छा प्रदर्शन करके चहल बीच में स्थगित कर दिये गये इंडियन प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन से उबर गए हैं। चहल ने भारत की पहले टी20 में श्रीलंका पर 38 रन से जीत के बाद कहा कि निश्चित तौर पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हैं। यदि आपके पास लगभग 30 खिलाड़ियों का समूह है तो निश्चित तौर पर सभी अच्छे खिलाड़ी है। सभी स्पिनर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एक स्पिनर के तौर पर आप जानते हैं कि कम से कम दो स्पिनर तैयार हैं जिन्होंने यहां और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। मैं यही कर सकता हूं कि प्रत्येक मौके पर अच्छा प्रदर्शन करूं। उन्होंने कहा कि यदि आप अच्छा प्रदर्शन करते हो तो आपको खेलने का मौका मिलेगा और यदि नहीं करते हो तो फिर चाहें मैं हूं या कोई और आपको बाहर बैठना पड़ेगा। इसलिए जब भी गेंद मेरे हाथ में होती है, तो मैं दूसरों के बारे में नहीं सोचता तथा केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करता हूं। टी20 विश्व कप अक्टूबर-नवंबर में यूएई में खेला जाएगा। चहल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में चार ओवर में 19 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान की अपनी दिनचर्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब मैं खेल नहीं रहा था तो मैंने अपने गेंदबाजी कोच के साथ काफी कड़ी मेहनत की। मैं यह जानना चाहता था कि मैंने कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं किया। इसलिए मैंने लॉकडाउन के दौरान इन चीजों पर काम किया। मैंने एक विकेट को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी की। अपने दोस्तों के साथ अभ्यास किया कि मुझे कहां गेंद करनी चाहिए। इस तरह की गेंदबाजी मेरा मजबूत पक्ष रहा है। मैंने इस दौरे पर आने से पहले स्वयं से कहा कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। चहल ने कहा कि वह जितने आत्मविश्वास से भरे रहते हैं उतना ही अच्छा प्रदर्शन करते हैं। लॉकडाउन के दौरान मैंने अपनी गेंदबाजी की समीक्षा की लेकिन मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था। मैंने भरत अरुण सर से बात की और यहां पारस महाम्ब्रे सर और राहुल द्रविड़ सर के साथ बैठकर अपनी गेंदबाजी पर बात की। मैंने अपने वीडियो भी देखे। चहल ने कहा कि इस बीच उन्होंने पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर जयंत यादव से भी बात की। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में हम कोविड के कारण मैदान पर नहीं जा सकते थे लेकिन मुझे अपने गृहनगर में मैदान पर जाने के तीन मौके मिले और मैंने तब जयंत यादव के साथ अभ्यास किया जिनके साथ मैं बचपन से खेल रहा हूं।

रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड जाएंगे शॉ और सूर्यकुमार

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव रिप्लेसमेंट के तौर अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी संभावनाओं पर विराम लगाते हुए चोटिल शुभमन गिल, आवेश खान और वाशिंगटन सुंदर की जगह इन दो खिलाड़ियों के नाम रिप्लेसमेंट के तौर पर चुने है। शुभमन पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा, ऑलराउंडर वाशिंगटन को इंजेक्शन लगाया गया है। हालांकि, उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा समय ले रही है जिस कारण वह दौरे से बाहर हो गए हैं। बयान में कहा, तेज गेंदबाज आवेश को अभ्यास मैच के पहले दिन अंगूठे में चोट लगी थी। उन्हें एक्स रे के लिए ले जाया गया जिसमें फ्रैक्चर आया है। उनकी चोट के लिए विशेषज्ञ से सलाह ली गई है और वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। बयान में कहा, सलामी बल्लेबाज शुभमन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के दौरान पैर में चोट लगी थी। वह दौरे से बाहर हो गए हैं और भारत वापस लौट गए हैं। ऑल इंडिया सीनियर चयन समिति ने रिप्लेसमेंट के तौर पर शॉ और सूर्यकुमार के नाम चुने हैं। चयन पैनल ने ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन को मुख्य टीम में मूव किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चार अगस्त को नॉटिंघम में खेला जाएगा।

आपकी खुशी के भी मायने हैं

खुद की और अपने करीबी लोगों की खुशी के बीच संतुलन ही सुख का आधार है। अपनी पसंद-नापसंद अपनी खुशी-दुख के प्रति भी संवेदनशील रहें और दूसरों की खुशी व दुख के प्रति भी संवेदनशीलता बरतें। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद में दूसरों की पसंद-नापसंद पर जरा रुककर विचार करें।

हम कभी भी खुद से ये सवाल नहीं पूछते हैं कि हम खुश हैं? खुश हैं तो कितने और यदि नहीं हैं तो क्यों नहीं हैं? हमारी खुशी किन-किन चीजों पर निर्भर करती है और हमने जीवन को किस तरह से संतुलित किया हुआ है?

सुनिधि परिवार को लेकर बहुत संवेदनशील है, इसलिए वो हमेशा वही करती है, जो करने की अपेक्षा उसका परिवार उससे करता है। क्या बनाना है, से लेकर कहां से क्या खरीदना, कब और कैसे खरीदना यहां तक कि हमेशा इस बात को लेकर वह बहुत अलर्ट रहती है कि उसकी सास और पति को उसका क्या पहनना पसंद है और क्या नहीं। वो कभी यह जान ही नहीं पाई कि खुद उसे क्या पसंद है? क्या पहनना, खाना और किस तरह से जीना...। नतीजा ये हुआ कि उसकी पसंद-नापसंद को लेकर परिवार हमेशा ही उदासीन बना रहा और एक वक्त पर जब उसे यह महसूस हुआ कि कुछ ऐसा भी है, जो करना उसे पसंद तो आता है, लेकिन वो ऐसा कुछ कर ही नहीं पाई...। परिवार के प्रति तरल होकर उसने खुद को बिलकुल ही भुला दिया, तब उसे बहुत अफसोस हुआ।

इसके ठीक उलट राशि का मामला रहा। राशि हमेशा हर चीज में परिवार के विरोध में ही खड़ी रहती थी। उसे लगता था कि ये उसके अपने व्यक्तित्व का सवाल है। परिवार में शादी हो या फिर कोई त्योहार, उसे पारंपरिक कपड़े पहनना अपनी तौहीन लगती थी। धीरे-धीरे यह होने लगा कि वो पूरे परिवार से कट गई और पूरे परिवार में उसे विद्रोही के तौर पर देखा जाने लगा। एक समय ऐसा भी आया, जब उसे ये लगने लगा कि वो बिलकुल अकेली हो गई है। तो उधर सुनिधि ने खुद को परिवार में गर्क कर दिया। खुद की खुशी और दुख तक कभी पहुंची ही नहीं और आखिर में वो असंतुष्ट ही रहने लगी तो दूसरी तरफ राशि ने खुद को स्थापित करने के लिए परिवार को दरकिनार कर लिया और गुजरते वक्त के साथ उसे ये महसूस हुआ कि अपनी खुशी और गम को मनाने के लिए उसके साथ कोई नहीं है... वो बस अकेली है।

ये दोनों ही मामले अतिवादी हैं। ये तय नहीं होता कि सुनिधि सुखी है या फिर राशि..., क्योंकि एक वक्त के बाद दोनों ही असंतुष्ट हैं। दोनों के ही अपने-अपने अलग तरह के दुख हैं। तो फिर सुख क्या है और सुखी होना क्या है? असल में खुद की और अपने करीबी लोगों की खुशी के बीच संतुलन ही सुख का आधार है। अपनी पसंद-नापसंद, अपनी खुशी-दुख के प्रति भी संवेदनशील रहें और दूसरों की खुशी व दुख के प्रति भी संवेदनशीलता बरतें। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद में दूसरों की पसंद-नापसंद पर जरा रुककर विचार करें।

यदि वो आपको मुफीद बैठता है या थोड़ी तालमेल की गुंजाइश नजर आती है तो उसे अपनाकर देखें। खुद को भी खुशी मिलेगी और यदि आपके करीबी भी खुश होंगे तो आपकी अपनी खुशी दोगुनी हो जाएगी। इसी तरह दूसरों के सुख-दुख का हिस्सा बनें और उन्हें भी अपनी खुशी-गम का हिस्सेदार बनाएं, देखिए सुख किस तरह दबे पांव आपको आ घेरता है। करके देखिए... यही प्यार, विश्वास और अपनापन आपको सुख और आत्मविश्वास से दमकता रखेगा।

खूबसूरती के लिए है गुलाब

गुलाब को फूलों का राजा यूं ही नहीं कहा जाता है। रंग और सौंदर्य के साथ-साथ खुशबू का मेल उसे बेजोड़ बना देता है, लेकिन इसके साथ ही ये बहुउपयोगी भी है। सौंदर्योपचार के लिए भी गुलाब कई रूपों में उपयोगी है। गुलाब को विभिन्न रूप में जैसे तेल, सूखे पावडर, उबटन आदि रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि गुलाब की पत्तियों में विटामिन ई और के होता है, जो न केवल त्वचा के लिए लाभदायक होता है, बल्कि प्रदूषण से भी बचाता है।

गुलाब त्वचा को पोषण प्रदान करता है, जिससे त्वचा तरोताजा बनी रहती है। संक्षेप में गुलाब मन और सौंदर्य दोनों के लिए अच्छा टॉनिक है।

गुलाब फेसपैक - गुलाब जल तैयार करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां काम में लाई जाती हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाती हैं। यह खुरदुरी, रूखी त्वचा को मुलायम बनाती हैं और खुले हुए रोमछिद्रों को बंद करती हैं। इसका इस्तेमाल लोशन, क्रीम और फेसपैक बनाने के लिए किया जाता है।

गुलाब का उपयोग और भी कई तरह से किया जा सकता है।

- एक शीशी में ग्लिसरीन, नींबू का रस और गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाकर घोल बना लें। दो बूंद चेहरे पर मलें। त्वचा में नमी और चमक बनी रहेगी और त्वचा मखमली-मुलायम बन जाएगी।

- एक प्याला उबले गुलाब जल में एक बड़ा चम्मच नारंगी के छिलके, एक बड़ा चम्मच नींबू के छिलके और 30 पत्ते पुदीना डाल दें और घंटेभर के लिए छोड़ दें, फिर छानकर इस मिश्रण में 2 बड़े चम्मच रोजमेरी चूर्ण और आधा छोटा चम्मच सोडियम बेंजोएट मिला लें। सारी सामग्री को अच्छे से मिलाकर फ्रिज में रख लें। रात को सोने से पहले रूई से चेहरे पर लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे चेहरे पर कांति और निखार आता है।

सफेद मोम को आधा प्याला बादाम तेल डालकर हल्की आंच पर रखकर मिला लें। फिर इसमें आधा प्याला गुलाब जल डाल दें। ठंडा होने पर आधा चम्मच सोडियम बेंजोएट डालें। जमने तक छोड़ दें। इस्तेमाल के लिए बढ़िया क्रीम तैयार है। रात में सोने से पहले इसका इस्तेमाल करें।

- 500 ग्राम सेब को ब्लैंडर में डालकर अच्छे से मैश कर लें। रस और गूदे को 500 ग्राम वेजिटेबल क्रीम में मिला दें। मिश्रण को हल्की आंच पर गर्म करें। जब सब घुलमिल जाए, तब आंच से हटाकर एक चम्मच टिंचर बेंजाइट और एक प्याला गुलाब जल मिलाएं। छानकर बोतल में भरें। इस क्रीम को चेहरे और गर्दन पर लगाकर मालिश करें। यह हर तरह की त्वचा के लिए उत्तम है।

- तीन टुकड़े स्ट्रॉबेरी को लेकर धो लें। इसके गूदे में एक बड़ा चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इस पैक को 20 मिनट चेहरे पर लगाएं, फिर ठंडे पानी से मुंह धो लें।

- एक छोटा चम्मच मुल्तानी मिट्टी के चूर्ण में 2 छोटे चम्मच गुलाब जल डालकर रखें। फिर एक छोटा चम्मच नारंगी का रस और एक बड़ा चम्मच शहद डालें। मुलायम पैक बन जाए, तब चेहरे पर लगाकर रखें। सूखने पर ठंडे पानी से मुंह धो लें।

किशोरावस्था की उलझन मुंहासे और रोमछिद्र

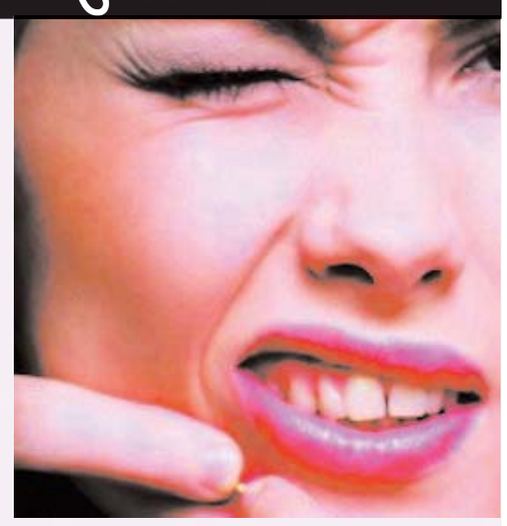

किशोरावस्था से तरुणाई में प्रवेश करते समय शरीर में रासायनिक व हारमोनल परिवर्तन तेजी से होते हैं। मुहांसे अधिकतर इसी आयु में निकलते हैं, लेकिन सभी को नहीं। मुंहासे प्रायः तैलीय त्वचा पर ही निकलते हैं। मुहांसे ही बाद में रोमछिद्र में परिवर्तित हो जाते हैं। जो किशोरियां अंगुलियों से या प्लकर से मुहांसे से पस निकालती हैं, उन्हें ही अक्सर रोमछिद्र की शिकायत होती है। कभी-कभी तो मुहांसे दाग भी छोड़ देते हैं जो चेहरे पर भद्दे लगते हैं। रोमछिद्रों की समस्या युवतियों की एक आम समस्या बनती जा रही है। इनकी समस्या का मूल कारण अत्यधिक तैलीय त्वचा का होना होता है। दूसरा कारण त्वचा की उचित देखभाल न करना होता है। रोमछिद्र हो जाने से जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता समाप्त होती है, वहीं दूसरी ओर समय से पूर्व ही किशोरियों के चेहरे पर परिपक्वता झलकने लगती है। यही कारण है कि आज की युवतियां सौंदर्य के प्रति सजग होती जा रही हैं। हालांकि रोमछिद्रों की समस्या को मूल से तो समाप्त नहीं किया जा सकता फिर भी अगर त्वचा की उचित देखभाल की जाए तो इस समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए इन सलाहों पर गौर करें-

पेट साफ रखें। कब्ज न होने दें। तली चीजों की जगह भोजन में दूध, फल, हरी सब्जियां व सलाद की मात्रा बढ़ाएं। गरम पदार्थ जैसे मांस, मछली, अंडा, चाय, काफी अधिक लेती हों तो इनकी मात्रा कम कर दें।

दिन में दो-तीन बार चेहरे को पहले गरम व फिर ठंडे पानी सें धोएं। गरम पानी में कपड़ा भिगो कर पहले चेहरे को भाप दें। उसके बाद रोमछिद्र खुल जाने पर चेहरे को ठंडे पानी से थपथपाएं व बर्फ का टुकड़ा तब तक धीरे-धीरे मलें जब तक कि त्वचा सहन कर सके। चेहरा साफ हो जाने पर एंस्ट्रिजेंट का प्रयोग करें।

चेहरे पर क्रीम नहीं लगाएं। चेहरे पर भारी-भरकम मेकअप नहीं करें। गरमियों में चेहरे पर खीरे का रस लगाएं। रोमछिद्रों को बंद करने के लिए फिटकरी को गरम पानी में घोल कर रुई की सहायता से चेहरे पर लगाएं। टमाटर को चेहरे पर मलने से रोमछिद्रों से छुटकारा मिल सकता है।

अंडे की सफेदी का मास्क रोमछिद्रों को संकुचित करने में ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता है। इस मास्क का प्रयोग सप्ताह में दो या तीन बार जरूर करें। टमाटर, मुलतानी मिट्टी और फिटकरी तीनों को अच्छी तरह मिक्स करके चेहरे पर लगाने से चेहरा सुंदर तो होता ही है साथ ही रोमछिद्र भी बंद हो जाते हैं। हल्के कुनकुने पानी में थर्मोहर्ब पाउडर डाल कर उसका लेप बना कर आंखों व होठों को छोड़ बाकी चेहरे पर लगाएं। यह मास्क त्वचा की भीतरी परतों में नमी पहुंचा कर तनाव हटाता है और खुले रोमछिद्रों को बंद करता है।

सुख-दुःख साझा करती हैं सखी-सहेलियां

शैलजा, रोमाली और अंजलिका तीनों ने आज अपने घर और ऑफिस के काम से छुट्टी लेकर पूरे दिन साथ में घूमने का प्लान बनाया है। उनकी इस आउटिंग में साथ में न तो उनके पति होंगे न बच्चे। ये उनका अपना समय होगा, जिसे वे अपने तरीके से इंजॉय करेंगी। अपने मन की बात करेंगी। ये तीनों सहेलियां महीने में एक बार जरूर मिलती हैं।

इस तरह उनका सिर्फ अपने लिए मिलना उन्हें महीनेभर के लिए ऊर्जा से भर देता है एक तरह से उन्हें जैसे रिफ्रेश कर देता है। दरअसल ये तीनों अपनी इस टोली में वे एक-दूसरे से अपने सुख-दुःख साझा करती हैं। मौज-मस्ती करती हैं।

इन तीनों सहेलियों ने शादी के बाद यों मिलना, साथ में कुछ वक्त बिताना, घूमना-फिरना काफी सोच-विचार कर तय किया है। दरअसल वे तीनों सालों से एक जैसे चल रहे रुटीन से इतना तंग आ गई थी कि रात के खाने का मैन्यू और ऑफिस की फाइलों के बारे में सोचने से उन्हें कोफ्त होने लगी थी। सो उन्होंने इसे बदलने का सोचा।

कहानी केवल इन तीन सहेलियों की नहीं है। कभी-कभी आपको भी लगता होगा कि सुबह से शाम के एकरस रुटीन को जीना बोरिंग हो जाता है। खासतौर पर शादी के बाद जिस तरह महिलाओं की जिंदगी बदलती है, उसमें आने वाली एकरसता जिंदगी के स्वाद को बेमजा कर डालती है। फिर चाहे आप हाऊसवाइफ के रोल में हों या साथ वर्किंग वूमन के।

बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजना, पति के ऑफिस जाने की तैयारी करना, घर की साफ-सफाई करना, खाना बनाना, कपड़े धोना, खरीदारी करना, मेहमानों को अटैंड करना और यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो साथ में अपने ऑफिस का काम भी मैनेज करना। स्त्री चाहें होम मेकर हो या वर्किंग घरेलू काम का दबाव उन पर अक्सर रहता ही है।

कई बार घर की जिम्मेदारियों के चलते महिलाएं अपने होने के अहसास, अपनी खुशियों और अपने लिए जीने, अपने बारे में सोचने की बात को बहुत पीछे ढकेल देती हैं। उन सारे शौक और कामों को बिलकुल हाशिए पर डाल देती हैं, जो कभी उन्हें ऊर्जा देने का काम करते थे। वे घुट-घुट कर जीने लगती हैं।

यह हमेशा याद रखिए कि अपनी इच्छाओं का गला घोंटने या दबाने से जीवन में निराशा ही पैदा होती है और यह निराशा अवसाद की ओर ले जाती है। इससे पहले कि आप जिंदगी से ही तंग आ जाएं, इसे बेहतर ढंग से जीने की कोशिश करें। जीवन की एकरसता को तोड़ें। छोटी-छोटी बातों से जिंदगी में खुशियों के रंग भरें। यदि आप अपने बारे में नहीं सोचेंगी तो कौन सोचेगा?

शादी के बाद भी काम और परिवार से परे आपकी भी अपनी एक निजी जिंदगी है, जिसे जीने का आपको भी पूरा हक है। समय निकालिए खुद के साथ जीने के लिए। यदि आपकी सहेलियों का कोई ग्रुप है तो बहुत ही अच्छा, वरना नए मित्र बनाइए और छोटी-मोटी आउटिंग से लेकर पूल लंच-डिनर या यूं ही विंडो शॉपिंग करने निकल पड़िए।

यही नहीं, थोड़ी-बहुत गॉसिप भी कभी-कभार के लिए कतई बुरी नहीं। इससे आप कुछ हल्के पल जिएंगी और खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। तो देर किस बात की..आज से ही शुरुआत कर डालिए।

शादी के बाद भी काम और परिवार से परे आपकी भी अपनी एक निजी जिंदगी है, जिसे जीने का आपको भी पूरा हक है। समय निकालिए खुद के साथ जीने के लिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चीन में फिर से बढ़ रहा है कोरोना का कहर, संक्रमण के मामले 60 से अधिक हुए

बीजिंग। चीन के प्रमुख पूर्वी शहर ननजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और शहर में सोमवार को संक्रमण के 38 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमण के मामले 60 से अधिक हो गए हैं। देश में हजारों लोग पाबंदियों के बीच रह रहे हैं और अधिकारी बड़े पैमाने पर लोगों की जांच करा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर संक्रमण का एक मामला पास के सुछिआन शहर से सामने आया और एक अन्य मामला उत्तर पूर्वी प्रांत लिआओनिंग में सामने आया। संक्रमण के दोनों ही मामले निनजिंग शहर से जुड़े हुए हैं। संक्रमण के 36 अन्य मामले सामने आए जिनमें से आधे मामले म्यांमार की सीमा के पास स्थित युन्नान प्रांत में हैं। यहां संक्रमण से हालात गंभीर हैं। युन्नान में सामने आए संक्रमण के सभी मामले 30 जून और 24 जुलाई से पहले सीमा पार कर आए लोगों से जुड़े हैं। चीन में वर्ष 2019 में वुहान से कोरोना वायरस संक्रमण की शुरुआत होने के बाद से संक्रमण के कुल 87,228 मामले सामने आए हैं।

नाइजीरिया में हथियारों के दम पर 120 से ज्यादा स्कूली छात्रों को किया गया अगवा, अब तक 28 छोड़ा गया

कानो (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में हथियारों से लैस अपहरणकर्ताओं ने जुलाई की शुरुआत में उत्तरी शहर दामिशी में 'बेथेल बैपटिस्ट हाई स्कूल' से अगवा किए गए 120 से अधिक छात्रों में से 28 छात्रों को रिहा कर दिया है। गिरजाघर अधिकारियों ने इन बच्चों को रविवार को स्कूल में उनके अभिभावकों को सौंप दिया। ' बैपटिस्ट कन्वेंशन' के अध्यक्ष इस्राइल अकांजी ने बताया कि 80 से अधिक छात्र अब भी बंदूकधारियों के कब्जे में हैं। पांच जुलाई को स्कूल से अगवा किए गए छात्रों में से अभी तक 34 को या तो छोड़ दिया गया है या वे खुद बंदूकधारियों के कब्जे से भाग निकले। ये छात्र कब रिहा हुए इसकी कोई जानकारी नहीं है। बंदूकधारियों ने कथित तौर पर प्रत्येक बच्चे की रिहाई के लिए 5,00,000 नाइरा (करीब1200 अमेरिकी डॉलर) की मांग हैं। अकांजी ने कहा कि गिरजाघर ने कोई फिरौती नहीं दी क्योंकि वह अपराधियों को पैसे देने का विरोध करता है। नाइजीरियाई पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद जालिगे ने कहा कि सुरक्षा बल और नागरिक रक्षा बल 12 जुलाई को सोहोन गया गांव के पास जंगलों के आसपास नियमित गश्त पर थे, तभी उन्होंने तीन अपहृत बच्चों को झाड़ी के पास घूमते हुए देखा। वहीं, 20 जुलाई को दो अन्य छात्र अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले।

अमेरिका के यूटा में रेतीला तूफान, 20 गाड़ियों के आपस में टकराने से कम से कम छह लोगों की मौत

कनोश (अमेरिका)। अमेरिका के यूटा में रेतीले तूफान के कारण 20 वाहनों के एक-दूसरे टकराने से रविवार दोपहर को कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। 'उटाह हाईवे पैट्रोल' ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि कनोश के निकट इंटरस्टेट 15 पर ये हादसे हुए, जिनमें छह लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबर मिली है। उसने बताया कि रेतीले तूफान के कारण दृश्यता स्तर कम होने जाने की वजह से वाहन आपस में टकरा गए। इंटरस्टेट 15 रविवार देर रात आशिंक रूप से बंद रहा। दुर्घटनास्थल के आस-पास यातायात को परिवर्तित किया गया। कनोश सॉल्ट लेक सिटी के दक्षिण में करीब 160 मील दूर स्थित है।

ट्यूनीशिया में राष्ट्रपति ने संसद की भंग, प्रधानमंत्री को बर्खास्त किया

ट्यूनिश। ट्यूनीशिया में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुए हालात और आर्थिक स्थिति खराब होने के विरोध में देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और संसद की गतिविधियों पर रोक लगा दी। ट्यूनीशिया राष्ट्रपति कैस सईद ने संसद के सदस्यों को प्राप्त सभी अधिकारों को भी समाप्त कर दिया और कहा कि वह देश में शांति के लिए शीघ्र ही नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। देशभर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आपात सुरक्षा बैठक बुलाई गई थी और उसके बाद राष्ट्रपति ने यह घोषणा की है। हजारों की संख्या में लोग कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी पाबंदियों को तोड़ते हुए भीषण गर्मी में सड़कों पर उतर आए और उन्होंने ''बाहर निकलो'' के नारे लगाए। साथ ही लोगों ने संसद को भंग करने और जल्द चुनाव कराने की मांग की। ये प्रदर्शन देश की स्वतंत्रता की 64वीं वर्षगांठ पर किए गए थे।

क्रोएशिया में सड़क पर फिसली बस, 10 लोगों की मौत, 44 घायल

जाग्रेब। क्रोएशिया में बस चालक को झपकी आने के कारण वाहन के राजमार्ग पर फिसल जाने पर उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 44 अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें से कई घायलों की हालत गंभीर है। यह हादसा स्लोवान्स्की ब्रॉड में क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब और सर्बियाई सीमा के बीच राजमार्ग पर रविवार तड़के करीब छह बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि बस पर कोसोवो की लाइसेंस प्लेट लगी थी और यह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से कोसोवो की राजधानी प्रिस्टीना जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बस में बच्चों और दो चालकों समेत 67 यात्री थे। बस के एक चालक की हादसे में मौत हो गई। घायल हुए 44 लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्लोवान्स्की ब्रॉड अस्पताल के प्रमुख जोसिप समरदजिक ने बताया कि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि बस के दूसरे चालक को हिरासत में ले लिया गया है। उसने झपकी लगने के कारण वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था।

तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा के लिए चीन पहुंचीं अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन

तियानजिन (चीन)। (एजेंसी)।

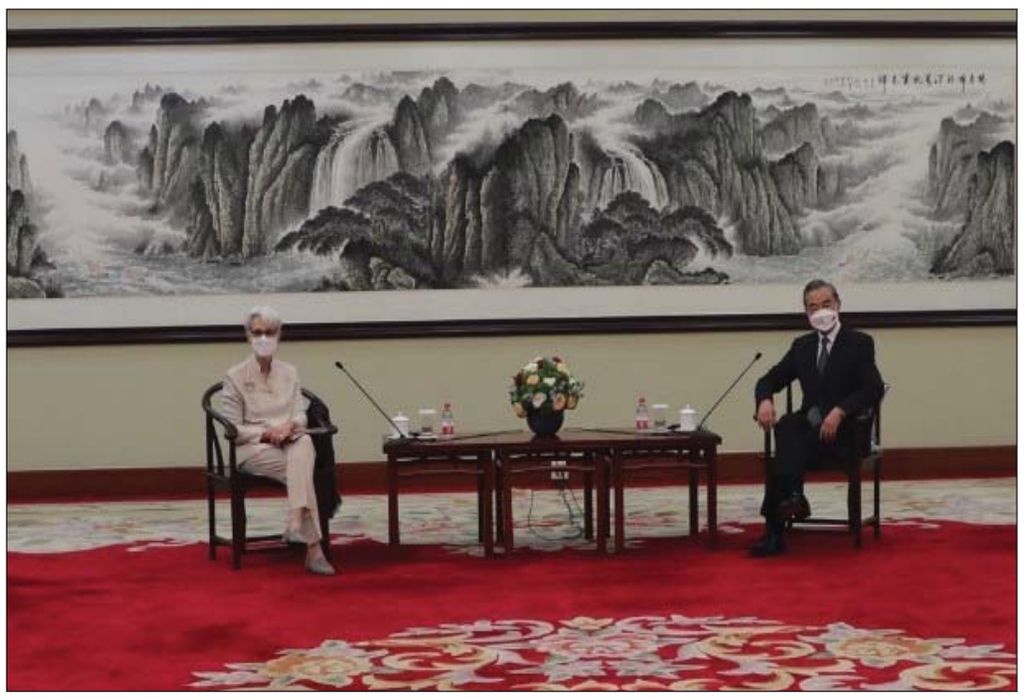

अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को यहां पहुंचे। शेरमन चीन के उप विदेश मंत्री तथा अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी शेई फेंग और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग बैठकें करेंगी। करीब छह महीने पहले जो बाइडन के अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह चीन की यात्रा करने वाली सबसे ऊंचे रैंक की पहली अमेरिकी अधिकारी हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मामलों पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि इन वार्ताओं का मकसद किसी विशेष मामले पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि उच्च स्तरीय संवाद के माध्यम खुले रखना है। बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच भी अक्टूबर के अंत में रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर बैठक हो सकती है।

रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन ने जापान के दावे वाले प्रशांत द्वीपों का किया दौरा

सना (एजेंसी)।

मास्को। रूस के प्रधानमंत्री ने सोमवार को जापान द्वारा दावा किए गए प्रशांत द्वीपों का दौरा किया और कहा कि सरकार वहां एक विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र और साइबेरिया का दौरा कर रहे हैं, और कुरील द्वीप सोमवार को उनका पहला पड़ाव है। मिशुस्तीन ने चार सबसे दक्षिणी कुरील द्वीपों में से एक, इटुरुप पर एक अस्पताल और एक मछली संयंत्र का दौरा किया, और संयंत्र श्रमिकों से कहा कि सरकार द्वीपों पर एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने पर विचार कर रही है, जिसमें व्यवसाय और निवेश अधिकांश करों और सीमा शुल्कों से मुक्त होंगे।

मिशुस्तीन ने कहा, रूसी अधिकारी वर्तमान में जिन उपायों पर विचार कर रहे हैं, वे निवेशकों के लिए एक अच्छा साधन हो सकते हैं, जिनमें पश्चिम के लोग और जापान भी शामिल हो सकते हैं, अगर वे रुचि रखते हैं, तो यहां रोजगार पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे इन द्वीपों पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ इन उपायों पर चर्चा करेंगे। शुक्रवार को, पुतिन ने मिशुस्तीन को सुदूर पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान कुरील द्वीप समूह पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

गौरतलब है कि जापान उन द्वीपों पर अपने क्षेत्रीय अधिकारों का दावा करता है जिन्हें वह उत्तरी क्षेत्र कहता है। सोवियत संघ ने उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में अपने कब्जे में ले लिया था और तब से इनको लेकर विवाद बरकरार है। समझौते पर बातचीत करने के लिए दशकों से चल रहे राजनयिक प्रयासों का अब तक कोई स्पष्ट परिणाम नहीं निकल सका है।

वित्तीय संकट के बीच लेबनान के अरबपति नजीब मिकाती बन सकते हैं देश के अगले प्रधानमंत्री

बेरूत। (एजेंसी)।

लेबनान के राष्ट्रपति सोमवार को अरबपति व्यवसायी और पूर्व प्रधानमंत्री नजीब मिकाती को देश का अगला प्रधानमंत्री नामित कर सकते हैं। देश में अभूतपूर्व वित्तीय संकट के बीच वर्तमान प्रधानमंत्री साद हरीरी के इस महीने की शुरुआत में मंत्रिपरिषद् गठन के प्रयास को छोड़ने के बाद राष्ट्रपति ने यह कदम उठाया है। राष्ट्रपति माइकल आउन और लेबनान के सांसदों के बीच विचार-विमर्श के बाद नजीब मिकाती की नियुक्ति आज ही हो सकती है। लेबनान के सबसे धनी व्यक्ति मिकाती इस पद के लिए तब सबकी पसंद बन गए जब देश के अधिकतर राजनीतिक दलों और ईरान के समर्थन वाले हिज्बुल्ला समूह ने उनका समर्थन किया।

मिकाती का समर्थन हरीरी ने भी किया जिन्होंने कैबिनेट बनाने पर आउन के साथ सहमत नहीं होने के बाद सरकार बनाने के प्रयास छोड़ दिए। संवैधानिक अधिकारों को लेकर आउन और हरीरी के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण पहले से ही खराब चल रहे आर्थिक एवं वित्तीय संकट और गहरा गए हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि मिकाती नयी सरकार गठन को लेकर वर्षों से चल रहे गतिरोध को तोड़ पाएंगे अथवा नहीं।

ड्रैगन का अमेरिका पर गंभीर आरोप, दोनों देशो के बीच हो रही है उच्च स्तरीय वार्ता

तियानजिन (चीन) (एजेंसी)।

चीनी शहर तियानजिन में अमेरिका और चीन के बीच सोमवार को आमने-सामने की उच्च स्तरीय वार्ता शुरू होने के बीच चीन ने अमेरिका पर द्विपक्षीय संबंधों में ''गतिरोध'' पैदा करने का आरोप लगाया। आधिकारिक संवाद समिति 'शिंहुआ' ने बताया कि चीन के उप विदेश मंत्री शेई फेंग ने अमेरिका से ''अपनी अत्यधिक पथभ्रष्ट मानसिकता और खतरनाक नीति को बदलने'' की अपील की। शिंहुआ ने बताया कि शी ने अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन से कहा कि चीन और अमेरिका के संबंधों में गतिरोध इसलिए है, क्योंकि कुछ अमेरिकी चीन को ''काल्पनिक शत्रु'' के रूप में चित्रित करते हैं।

शेरमन अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी फेंग और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग बैठकों में दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा कर रही हैं। छह महीने पहले जो बाइडन के अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह चीन की यात्रा करने वाली सबसे ऊंचे रैंक की अमेरिकी अधिकारी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मामलों पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति है। वांग ने शनिवार को एक साक्षात्कार में अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझता है और अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करता है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि इन वार्ताओं का मकसद किसी विशेष मामले पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि उच्च स्तरीय संवाद के माध्यम खुले रखना है। बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच भी अक्टूबर के अंत में रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर बैठक हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने लॉकडाउन के बीच उपायों को आगे बढ़ाने का समर्थन किया

कैनबेरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को घोषणा की कि वह चल रहे कोविड -19 लॉकडाउन के बीच उपायों को अधिक सहायता प्रदान करने के खुले समर्थन में है। मॉरिसन ने हाल ही में न्यू साउथ वेल्स, विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्यों में आधे से अधिक ऑस्ट्रेलियाई आबादी के लिए लॉकडाउन के लिए यह कहते हुए अपना समर्थन दोहराया कि कोविड -19 के डेल्टा तनाव को नियंत्रण में लाने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं स्पष्ट कर दूं। इसे नियंत्रण में लाने के लिए न्यू साउथ वेल्स में लॉकडाउन का कोई विकल्प नहीं है।

लॉकडाउन लागू होने जा रहा है। टीकों द्वारा सहायता प्रदान की जा सकती है, लेकिन लॉकडाउन भी प्रभावी होना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई संघीय सरकार पर लॉकडाउन से प्रभावित व्यवसायों और श्रमिकों के लिए अपना समर्थन बढ़ाने का दबाव है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया क्रमशः मंगलवार और बुधवार को सख्त प्रतिबंधों को कम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन न्यूज कॉर्प ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को बताया कि ग्रेटर सिडनी में सितंबर के मध्य तक घर में रहने के आदेश जारी रह सकते हैं। मॉरिसन ने कहा कि हम सरकार और समर्थन उपायों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, कोषाध्यक्ष और मैं और बाकी कैबिनेट इस बात पर विचार करने के लिए बहुत खुले हैं कि हम स्थिति से कैसे निपटते हैं, क्योंकि यह आगे विकसित होता सकता है। उनकी टिप्पणी के बाद सिडनी में हजारों लोगों ने

सप्ताहांत में तालाबंदी के विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए घर में रहने के आदेशों की अवहेलना की, जिससे कोविड -19 सुपर-स्प्रेडर घटना की आशंका बढ़ गई। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कोविड -19 और 910 मौतों के 32,917 पुष्ट मामलों की सूचना दी है।

क्या चीन में 19 साल पहले फैला था कोरोना ? कई लोगों में देखे गए थे इस तरह के लक्षण

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचाया हुआ है। साल 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था और धीरे-धीरे इस संक्रमण ने महामारी का रूप धारण कर लिया। तकरीबन हर देश की सरकारों का इस वायरस के रोकथाम के लिए सख्त निर्णय लेने पड़े। कई देशों में तो अभी भी लॉकडाउन लागू है। दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत को भी लॉकडाउन लगाना पड़ा था।

इतना ही नहीं कोरोना की दूसरी लहर में भी लोगों को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। लेकिन इस वायरस को लेकर जो सच सामने आया है वह चीन की परेशानी को बढ़ा सकता है। अंग्रेजी समाचार पत्र 'डेली मेल' की रिपोर्ट के मुताबिक चीन में साल 2002 में ही कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। तब यहां के ग्वांगडोंग के कई रेस्त्रां के शेफ और मीट की दुकानों में काम करने वाले कसाई इस वायरस की चपेट में आ गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। साथ ही साथ बुखार के भी जूझ रहे थे। उस वक्त इस तरह के हालात देखकर डॉक्टर्स भी सख्ते में आ गए थे। यहां तक की मरीजों की देखभाल करने वालों को भी इस वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया था।

रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कसाइयों समेत रेस्त्रां के शेफ में बिल्कुल कोरोना वायरस जैसे ही लक्षण थे। लेकिन उस वक्त इस बीमारी पर काबू पा लिया गया था। लेकिन मौजूदा समय के हालातों पर काबू पाने का प्रयास अभी भी जारी है। साल 2019 से फैले इस वायरस के खिलाफ जंग में वैक्सीन ही एकमात्र उपाय है। ऐसे में सरकारें वैक्सीनेशन प्रोग्राम को गति देने का प्रयास कर रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में तो कोरोना वायरस संक्रमण को चीन का वायलॉजिकल हथियार तक करार दिया गया है। इतना ही नहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने तो कोरोना वायरस के पीछे चीन का हाथ होने की बात कही थी।

पाकिस्तान : पीओके के चुनाव में पीटीआई ने जीती अधिकतर सीटें, विपक्ष का धांधली का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पहली बार सरकार बनाएगी। पीटीआई ने पीओके विधानसभा की 45 सीटों के लिए हुए चुनाव में 25 सीटें जीती हैं। हालांकि चुनाव में हिंसा हुई है और विपक्ष ने धांधली के आरोप लगाए हैं। सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' ने चुनाव आयोग द्वारा घोषित अनौपचारिक नतीजों के हवाले से खबर दी है, पीटीआई ने 25 सीटें जीती हैं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 11 सीटें जीत कर दूसरे स्थान पर है और फिलहाल सत्ता पर काबिज पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को सिर्फ छह सीटें मिली हैं।

पीटीआई को सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत मिल गया है और उसे किसी अन्य पार्टी के समर्थन की जरूरत नहीं है। यह पहली बार है कि वह पीओके में सरकार बनाएगी। परंपरागत रूप से, देश की सत्ताधारी पार्टी ही पीओके में चुनाव जीतती आयी है। मुस्लिम कांफ्रेंस (एमसी) और जम्मू कश्मीर पीपुल्स पार्टी (जेकेपीपी) को एक-एक सीट पर कामयाबी मिली है।भारत ने इससे पहले गिलगित-बाल्तिस्तान में चुनाव कराने के पाकिस्तान के फैसले का विरोध किया था और कहा था कि सेना के जरिए कब्जाए गए क्षेत्र की स्थिति को बदलने का कोई कानूनी आधार नहीं है। पीओके विधानसभा में कुल 53 सदस्य हैं लेकिन इनमें से केवल 45 सीटों पर सीधे निर्वाचन किया जाता है।

इनमें पांच सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और तीन विज्ञान विशेषज्ञों के लिए हैं। सीधे चुने जाने वाले 45 सदस्यों में से 33 सीटें पीओके के निवासियों के लिए हैं और 12 सीटें शरणार्थियों के लिए हैं, जो बीते वर्षों में कश्मीर से यहां आए थे और पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बस गए है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पीटीआई की चुनावों में शानदार जीत प्रधानमंत्री इमरान खान में आम आदमी के भरोसे की अभिव्यक्ति है। उन्होंने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि विपक्षी दलों को अपने नेतृत्व और राजनीति दोनों पर पुनर्विचार करना चाहिए। पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं - पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ज़रदारी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने धांधली के जरिए चुनाव जीता और उन्होंने रविवार को हुए चुनाव के नतीजों को खारिज कर दिया। भुट्टो ने दावा किया कि चुनाव आयोग चुनावी नियमों का उल्लंघन करने पर पीटीआई के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, पीटीआई ने हिंसा और धांधली का सहारा लिया। इसके बावजूद पीपीपी 11 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी है , जिसे पिछली बार तीन सीटें मिली थीं। उन्होंने पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवारों की सूची भी साझा की। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने कहा कि उन्होंने परिणामों को स्वीकार नहीं किया है और न ही कभी स्वीकार करेंगी। मैंने 2018 के नतीजों को न तो स्वीकार किया है और न ही इस नकली सरकार को माना है।÷

हालांकि, उन्होंने चुनावों में पीटीआई द्वारा हिंसा और धांधली के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए पीएमएल-एन के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। पीपीपी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा, ÷ चुनाव में व्यवस्थित धांधली का सबूत है। उन्होंने कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने मतदान के दौरान पीपीपी कार्यकर्ता पर हमला किया, जबकि पुलिस ने उनकी पार्टी के एक शिविर को उखाड़ फेंका। रहमान ने कहा कि कई मतदान केंद्रों की मतदाता सूचियों में साफ फर्क है।÷ पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरयम औरंगजेब ने एक बयान में दावा किया कि चुनाव में धांधली करने के लिए ''पीटीआई के गुंडों ने'' गुजरांवाला के अलीपुर छत्ता इलाके में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया। हालांकि, क्षेत्र के चुनाव आयोग ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त अब्दुल राशिद सुलेहरिया ने मीडिया को बताया कि वह चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट हैं। पीटीआई के बैरिस्टर सुल्तान महमूद चौधरी क्षेत्र के प्रधानमंत्री की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। वह अपनी सीट जीत गए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन नेता राजा फारूक हैदर ने अपनी सीट बचा ली है। एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सरदार अतीक अहमद खान भी जीत गए हैं। पीओके में सरकार प्रमुख को 'प्रधानमंत्री' कहा जाता है। पीओके के विभिन्न जिलों की 33 सीटों पर कुल 587 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जबकि पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों की 12 सीटें पर 121 प्रत्याशी मैदान में थे। इससे पहले रविवार को कोटली जिले के चारहोई इलाके में एक मतदान केंद्र पर पीपीपी के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में पीटीआई के कम से कम दो कार्यकर्ताओं की मौत हो गई।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां शुरू ! विशेष अतिथियों की लिस्ट तैयार कर रही सरकार

नयी दिल्ली। अगले साल होने वाली गणतंत्र दिवस परेड को लेकर सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देश, विदेश की जानी मानी हस्तियों और कला, संस्कृति, रंगमंच, विज्ञान, खेल और सेना से जुड़े विशेष लोगों की सूची तैयार की जा रही है। जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड का न्यौता भेजा जाना है। अंग्रेजी समाचार पत्र 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने मई में सरकारी विभागों को अपने संबंधित क्षेत्रों के व्यक्तियों के नाम और संपर्क विवरण प्रदान करने के लिए पत्र लिखे थे। जिन्हें वे परेड के लिए आमंत्रित करने की सिफारिश करना चाहते हैं। इसके साथ ही पत्र में उन व्यक्तियों के विशेष योगदान और उपलब्धि को कुछ शब्दों में इंगित करने के लिए कहा गया था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित करने वाले लोगों के नामों की सिफारिश करने की अंतिम तिथि 15 जून थी। आपको बता दें कि अगले साल होने वाली गणतंत्र दिवस परेड नवीनीकृत राजपथ पर होगी।

खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का द्रास दौरा रद्द किया गया

श्रीनगर। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को द्रास शहर का दौरा करने वाले थे लेकिन खराब मौसम के चलते उसे रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति, जो सोमवार को द्रास युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण करने वाले थे। इसके बजाय अब वह बारामूला युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह पहली बार नहीं है जब खराब मौसम ने राष्ट्रपति को द्रास जाने से रोका हो। 2019 में भी खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति कारगिल विजय दिवस में भाग लेने के लिए द्रास नहीं जा सके थे। इसके बजाय, उन्होंने श्रीनगर के बादामीबाग में सेना के 15 कोर मुख्यालय में एक युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति कोविंद जम्मू-कश्मीर के चार दिवसीय दौरे पर रविवार को श्रीनगर पहुंचे।

सिया बोर्ड ने धर्म परिवर्तन कानून पर जताई चिंता

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने सोमवार को धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की। अपनी कार्यकारी बैठक में, बोर्ड ने कहा कि इस मुद्दे पर निर्दोष मुसलमानों को फंसाया जा रहा है और सरकार से इस मुद्दे पर अपने कानूनों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, मुसलमानों को, जिन्हें इस मुद्दे पर फंसाया जा रहा है, उन्हें अदालत से राहत मिल रही है, जो साबित करता है कि उन्हें निहित स्वार्थों द्वारा जानबूझकर फंसाया जा रहा है। एआईएसपीएलबी के कार्यकारी निकाय ने योगी आदित्यनाथ सरकार से समुदाय के खिलाफ नए कानून बनाने के बजाय मुसलमानों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कहा। नई प्रस्तावित जनसंख्या नीति का उल्लेख करते हुए बोर्ड का विचार था कि नीति को वापस लिया जाना चाहिए और सरकार को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करना चाहिए।

बिहार: राजग विधायकों की बैठक से वीआईपी का किनारा, सहनी ने कहा, नहीं सुनी जाती बात

पटना। बिहार मानसून सत्र को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों की सोमवार को हुई बैठक का विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने बहिष्कार कर दिया। वीआईपी के कोई भी विधायक इस बैठक में शामिल नहीं हुए। इधर, वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि राजग की बैठक में जाने का कोई मतलब नहीं, क्योंकि वहां विधायकों की बात नहीं सुनी जाती। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के सोमवार को आगाज होने के बाद राजग के सभी विधायकों की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में राजग के करीब सभी विधायक शामिल हुए, लेकिन वीआईपी के किसी विधायक ने हिस्सा नहीं लिया। इस बीच, बैठक में शामिल नहीं होने को लेकर पत्रकारों ने जब बिहार के मंत्री मुकेश सहनी से सवाल किया तो उन्होंने कहा, हमारे विधायकों की बात राजग की बैठक में नहीं सुनी जाती है। ऐसे में राजग की बैठक में जाने का क्या मतलब है। हमलोग अपने विधायकों की बैठक करेंगे। मुकेश सहनी की नाराजगी उत्तर प्रदेश में फूलन देवी की प्रतिमा नहीं लगाने दिए जाने को लेकर भी बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार चल रही है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (युनाइटेड), वीआईपी और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा शामिल है।

योगी ने लॉन्च किया माई गव-मेरी सरकार पोर्टल

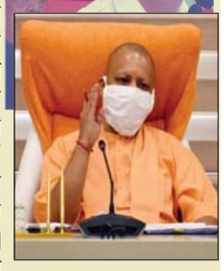

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां माई गव-मेरी सरकार पोर्टल लॉन्च किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सरकार लोगों से फीडबैक प्राप्त करेगी और उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी देगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल अपनी कुशल सेवा के लिए जाना जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, पोर्टल का उद्देश्य राज्य सरकार के साथ आम नागरिकों के जुड़ाव को और बढ़ाना है। यह शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार और उन पर आम नागरिकों की राय जानने का एक प्रमुख मंच होगा। प्रवक्ता ने आगे कहा कि मेरी सरकार पोर्टल राज्य के लोगों को अपने विचार, सुझाव और प्रतिक्रिया देने में मदद करेगा। यह पोर्टल जनभागीदारी और सुशासन के लिए एक अभिनव मंच बनेगा। प्रधानमंत्री की पहल से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने इस पोर्टल को शुरू करने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री ने सभी घरों में पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है : शाह

शिलांग (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 75 साल पूरे होने से पहले देश के हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।

शाह ने कहा कि मोदी ने पूर्वोत्तर राज्य के 50 साल पूरे होने पर मेघालय के हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। मेघालय की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन ग्रेटर सोहरा जल परियोजना का उद्घाटन करने के बाद गृहमंत्री ने कहा, अगर पानी का स्रोत शुद्ध नहीं रहा तो लोग स्वस्थ नहीं होंगे।

जल जीवन मिशन, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और मेघालय सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 25 करोड़ रुपये की परियोजना को उत्तर-पूर्व विशेष अवसंरचना योजना के तहत प्रत्येक घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया था। शाह ने कहा कि मेघालय राज्य में 2,80,000 परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराने का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसे 1,874 छोटी परियोजनाओं में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की महत्वाकांक्षी परियोजना को इस सुदूर क्षेत्र में पहुंचाने का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण है। केंद्रीय गृहमंत्री ने बाद में सोहरा में रामकृष्ण मिशन में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और प्रार्थना कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय डोनर मंत्री जी. किशन रेड्डी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विभाग के राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह, डोनर राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा सहित अन्य भी शाह के साथ थे।

राज्यसभा से वापस लिया गया स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक सोमवार को राज्यसभा से वापस ले लिया। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक, 2012 वापस लिए जाने का प्रस्ताव किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

उस समय सदन में विपक्षी सदस्य विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहे थे और कुछ सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी कर रहे थे। यह विधेयक 2012 में संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया गया था और इसमें मूल कानून स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 में संशोधन तथा उसके दायरे में वृद्धि का प्रस्ताव किया गया था। सरकार ने विज्ञापनों, चित्रों सहित विभिन्न तरीकों से महिलाओं के अशिष्ट चित्रण पर रोक लगाने के लिए स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 को लागू किया था।

पेगासस मामले में अखिलेश ने की जेपीसी की मांग, पूछा- भाजपा को क्यों पड़ी जासूसी की जरूरत?

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पेगासस जासूसी मामला भारत में तूल पकड़ता जा रहा है। सड़क से लेकर संसद तक विपक्ष सरकार का विरोध कर रहा है। विपक्ष लगातार इसमें जांच की मांग कर रहा है। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी भी केंद्र सरकार पर हमलावर है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पेगासस मामले की जेपीसी की मांग कर दी है। इसके साथ ही साथ उन्होंने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा है।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जासूसी के सख़्त ख़िलाफ़ है। यह जानना ज़रूरी है कि भाजपा को लोगों का भारी समर्थन हासिल है, उसके बाद भी जासूसी कराने की भाजपा को क्यों ज़रूरत पड़ी। हम इस जासूसी के लिए जेपीसी(ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) की मांग करते हैं।

आपको बता दें कि इस मुद्दे को लेकर आज ही संसद में हंगामा हुआ दोनों सदन नहीं चल सके। पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई, हालांकि इससे पहले सरकार ने सदन में शोर-शराबे के बीच दो विधेयक भी पारित कराये।

किसान नेता राकेश टिकैत का बड़ा बयान, बोले- दिल्ली की तरह लखनऊ के भी रास्ते करेंगे सील

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों का पिछले 8 महीने से आंदोलन जारी है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। किसान नेता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तरह ही लखनऊ के रास्ते भी चारों तरफ से सील होंगे। इसकी तैयारी की जाएगी। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि लखनऊ को भी दिल्ली बनाया जाएगा जिस तरह दिल्ली में चारों तरफ के रास्ते सील हैं, ऐसे ही सील होंगे। हम इसकी तैयारी करेंगे। उन्होंने कहा कि 8 महीने आंदोलन करने के बाद संयुक्त मोर्चा ने फैसला किया है कि हम उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब और पूरे देश में जाकर किसानों से अपनी बात रखेंगे और सरकार की नीति व काम को लेकर बात करेंगे। 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में बड़ी पंचायत होगी। गौरतलब है कि किसानों की सरकार से मांग है कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनाया जाए। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि वो कानून वापस नहीं लेंगे। लेकिन जरूरी संशोधन करने के लिए तैयार है। किसानों ने आठ महीने से जारी आंदोलन को गति देने के लिए जंतर-मंतर पर किसान संसद का आयोजन किया। रोजाना 200 किसान जंतर-मंतर पर किसान संसद का आयोजन करते है और शाम होते ही अपने आंदोलनस्थल पर वापस लौट जाते हैं। किसानों की इस संसद में स्पीकर की भी नियुक्ति होती है।

वहीं दूसरी तरफ किसानों ने आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव को देखते हुए 'मिशन उत्तर प्रदेश' की योजना तैयार की है और उनका मुख्य फोकस चुनाव होगा। दिल्ली की ही तरह अब किसान संगठन के लोग लखनऊ में भी अपना डेरा डाल सकते हैं। हालांकि अभी तक स्पष्ट रणनीति तैयार नहीं हुई है।

पंजाब के बाद राजस्थान की बारी, दिल्ली आएंगे सचिन पायलट, समर्थक विधायकों को मिलेगी गहलोत कैबिनेट में जगह

जयपुर (एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस की अंतर्कलह को खत्म करने के बाद अब आलाकमान राजस्थान को लेकर सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल जयपुर पहुंचे तो उसके बाद इस बात के कयास लगने शुरू हो गए कि अब राजस्थान के मुद्दों को भी हल करने की कोशिश आलाकमान कर रहा है। इन सबके बीच खबर यह है कि केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने लंबी चर्चा की है। दोनों ने राजस्थान कांग्रेस में जारी अंतर्कलह को लेकर फार्मूला तैयार कर लिया है। फार्मूले के अनुसार सचिन पायलट को दिल्ली बुलाया जाएगा जबकि इनके समर्थक विधायकों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कैबिनेट में शामिल किया जाएगा।

हालांकि फिलहाल यह सब संभावनाएं है जो सूत्रों के हवाले से मिल रही हैं। माना यह भी जा रहा है कि फिलहाल सचिन पायलट को लेकर अशोक गहलोत मानने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि सचिन पायलट को दिल्ली की राजनीति में सक्रिय किया जा सकता है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि सचिन पायलट को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि यह बात भी सच है कि सचिन पायलट पार्टी के लिए लगातार दूसरे राज्यों में प्रचार करते हैं। युवा चेहरा है ऐसे में चुनावी राज्यों में कांग्रेस उनका खूब इस्तेमाल कर सकती है।

इतना ही नहीं, खबर यह भी है कि राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा की भी छुट्टी हो सकती है। कोरोना प्रबंधन को लेकर उन्होंने जिस तरीके से बयान दिए हैं उससे सरकार के खिलाफ एक माहौल बना है। हालांकि, कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सुलह कराना है। पंजाब में सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर के बीच सुलह के बाद अब राजस्थान की बारी है। देखना दिलचस्प होगा कि आखिर राजस्थान समस्या का हल कांग्रेस आलाकमान कैसे निकालता है?

चीन की हरकतों को नजरअंदाज करने से भविष्य में मुश्किलें पैदा होंगी: राहुल गांधी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को समझ नहीं आ रहा है कि सीमा पर चीन की हरकतों से कैसे निपटा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि चीन की हरकतों को नजरअंदाज करने से भविष्य में मुश्किलें पैदा होंगी। राहुल गांधी ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, '' केंद्र सरकार को समझ नहीं आ रहा कि चीन से कैसे निपटा जाए। आज उसकी हरकतों को नज़रअंदाज़ करने से भविष्य में बड़ी मुश्किलें पैदा होंगी।''

कांग्रेस नेता ने जिस खबर का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है कि डेमचोक इलाके में भारतीय सीमा के भीतर चीन की सेना ने टेंट लगा दिया है। राहुल गांधी ने एक अन्य ट्वीट में 'कारगिल विजय दिवस' पर शहीदों को याद किया। उन्होंने कहा, ''हमारे तिरंगे की गरिमा में अपनी जान देने वाले प्रत्येक सेनानी को दिल से श्रद्धांजलि। देश की सुरक्षा के लिए आपके व आपके परिवारों के इस सर्वोच्च बलिदान को हम हमेशा याद करेंगे। जय हिंद।

हिमाचल में बारिश का कहर नौ पर्यटकों की मलबे में दबने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर में बारिश ने एक बार फिर कहर बरपाया है बारिश के चलते यहां कई जगह भारी भूस्खलन हो रहा है जिससे नौ लोगों के मारे जाने का समाचार है जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक किन्नौर जिले में बटसेरी के गुंसा के पास चट्टानें गिरने से छितकुल से सांगला की ओर आ रही पर्यटकों की गाड़ी भूस्खलन की चपेट में आ गई। गाड़ी पर पत्थर गिरने से नौ की मौत हो गई जबकि तीन घायल हैं। बताया जा रहा है कि गाड़ी में सवार पर्यटक दिल्ली और चंडीगढ़ से हिमाचल घूमने आए थे। भूस्खलन के कारण गांव के लिए बास्पा नदी पर बना करोड़ों का पुल टूट गया है जिससे गांव का देश दुनिया से संपर्क टूट गया है। पहाड़ से भूस्खलन सहित चट्टानें गिरने से कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर रवाना हो गई है। कांग्रेस विधायक जगत सिंह नेगी ने बताया कि पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे हैं जिस कारण रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल लिफ्ट करने के लिए सरकार से हेलीकॉप्टर मांगा गया है जिसके जल्द पहुंचने का आश्वासन मिला है। किन्नौर के डीसी आबिद हुसैन सादिक, एसपी एसआर राणा भी मौके पर मौजूद हैं। घटनास्थल पर चीख पुकार मची हुई है। बटसेरी के लोग पुलिस के साथ रेस्क्यू में जुटे हुए हैं।

वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 505 काजा-समदो के तहत आने वाले काजा के लारा नाले में बादल फट गया। भारी बारिश के बाद नाले में बादल फटने से बाढ़ आ गई। हालांकि बादल फटने से किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन सड़क मार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे यहां पर सड़क के दोनों ओर 50 से अधिक वाहन भी फंस गए हैं। सड़क बहाल होने के बाद ही यह सभी वाहन लारा नाले से निकल पाएंगे। बादल फटने की सूचना मिलते ही बीआरओ की टीम ने सड़क बहाली का काम शुरू कर दिया है। मशीनरी लगाकर सड़क को बहाल करने की कोशिश चल रही है। बहरहाल जनजातीय क्षेत्रों में बारिश को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है। लोगों को नदी-नालों से दूर रहने को कहा गया है। उपायुक्त नीरज कुमार ने कहा कि बादल फटने से क्षतिग्रस्त हुई सड़क को बहाल किया जा रहा है।

बहरहाल जनजातीय क्षेत्रों में बारिश को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है। लोगों को नदी-नालों से दूर रहने को कहा गया है। उपायुक्त नीरज कुमार ने कहा कि बादल फटने से क्षतिग्रस्त हुई सड़क को बहाल किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मार्ग और मकान स्टेट कार्यालय RTI के भंवर में ...?

गुजरात राज्य सूचना आयोग कमिश्नर के सामने खुलेगा राज..!

क्रांति समय आरटी.आई.टीम

आर.आर.मिश्रा

गुजरात राज्य आज भारत के सबसे समृद्ध शक्तिशाली, पारदर्शी, विकसित राज्यों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। जिसकी चर्चा आज देश विदेश में कई गणमान्य शीर्ष राजनीति के धुरंधर हमेशा करते हुए देखे जाते हैं। हकीकत में भी गुजरात का हवामान और समुद्र तट से घिरे होने से कपड़ा उद्योग, जरी उद्योग, हीरा उद्योग मील , फेक्ट्री वगैरह इसकी शान में कसीदे पढ़ती नजर आती है। गुजरात की धरती बड़े-बड़े उद्योगपतियों को आज भी भी जन्मभूमि है। गुजरात को धरती का यदि स्वर्ग कहा जाये फिर कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

गुजरात के उद्योगपतियों का वर्षों से देश ही नहीं लगभग विश्व के बड़े भागों पर किसी न किसी रूप में आज भी कब्जा है। आज भी यहां बड़े बड़े राजाओं का राजमहल है। गुजरात राज्य के विकास समृद्धि पारदर्शिता आज भी वेमिशाल है। सभी धर्मों का सम्मान यहां विश्वविख्यात है।

गुजरात राज्य में सबसे अधिक लोकप्रिय मार्ग और मकान विभाग यहां कई खंडों में बटा है। जिसमें राज्य और पंचायत दो प्रमुख भाग है। वैसे केन्द्र सरकार में भी इसी नाम से एक विभाग है। जिसका संचालन केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है। परंतु आज भारत सरकार के सर्वोच्च सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध, विकसित, पारदर्शितापूर्ण राज्य गुजरात के सर्वोच्च विभागों में प्रिय मार्ग और मकान की है। गुजरात राज्य सरकार इस विभाग में विकास के लिए दिल खोलकर सभी योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए फंड मुहैया करवाती है। परंतु कुछ वर्षों से इस विभाग में दीमक की तरह कुछ वायरस इसे खोखला करने में जुटे हैं। और जैसा कि आज एक अदृश्य वायरस ऋषि मुनियों का भारत ही नहीं लगभग विश्व में तबाही के कगार पर पहुंचा दिया है। उसी तरह ऐसे कई उदाहरण हैं जो सरकार को बदनाम करने में दिलचस्पी दिखाई है। जिसकी फरियाद लेकर सत्यता को समझने के लिए सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचनाएं मांगी गई ।और जैसा कि कुछ अदृश्य है धीमें धीमें अब एक एक करके बाहर निकल रहे हैं।

सूचना अधिकार अधिनियम 2005 जैसा कि नियम से ही ज्ञात होता है कि आज यह 16 वे वर्ष में प्रवेश ही नहीं आधा वर्ष भी पूरा कर लिया है। इसके पहले वर्ष 2018 में ऐसे ही मामलों में एक सूचना आयुक्त ने सुनवाई के दौरान खुद ही कहा था कि गुजरात राज्य में अभी तक सूचना अधिकार अधिनियम लागू नहीं हो पाया है। हालांकि उसे जिले के कलेक्टर श्री को पक्षकार बनाते हुए अपनी भड़ास निकाल कर हुक्म दे कर मामले से निकलने में जरूर कामयाब हो गए।

आज जहां तक जानकारी मिली है नवसारी, सुरत, वलसाड, तापी जैसे दक्षिण गुजरात जिसे गुजरात की आर्थिक राजधानी मानी जाती है। ऐसे जिलों के कई सूचना अधिकारी गणों को सिर्फ फाइलों में सूचना अधिकारी नियुक्तकिया गया है। हालांकि हकीकत में न ही इन सबको इस सर्वोच्च नियम के बारे में न ही कोई तालीम दी गई है और न ही ए जानना चाहते हैं। अब जब जहां ऐसी हालत होगी वहां जवाब और नियमों की धज्जियां किस तरह उड़ाई जाती है इसके लिए फिलहाल शब्दकोश में शब्दों को ढूंढना समुद्र से मोती निकालने से कम नहीं होगा।

राजनीति के सर्वोच्च नेता लगभग अपने सभी वक्तव्यों में गरीब, आदिवासी, दलित, शोषित, वंचित अब एक नया आर्थिक पिछड़े जैसे शब्दों से हर वार तालीयो से तारीफों का पुल बनाते नहीं थकते। और इन्हीं महानुभावों के अधिकारीगण हैं जो लगभग इसी समाज से आते हैं उन्हें इसका न तो मतलब पता है न ही उसके समकक्ष भी सोचने का सपने में भी ख्याल आता है।

गुजरात के लगभग सभी कार्यालयों में लगभग सभी वर्ग तीन और चार के कर्मचारी मजदूर आज वर्षों से करार आधारित एजेंसी अथवा सरकार के द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत काम करते हैं। पहले यह सिलसिला वर्ग तीन और चार में पाया जाता था। अब इसे वर्ग एक और दो में समावेश किया गया है। हालांकि सरकार के नियमों की मानें तो सभी पारदर्शी है। परंतु आज कुछ शासन प्रशासन की मिलीभगत उन नियमों को निर्वस्त्र करने में जरूर कामयाब हो चूके हैं। सरकार सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास अपना उद्देश्य मानती है। परंतु यह आज लगभग राजनीति की फाइलों से निकलकर प्रशासन तक एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाया है। हालत बद से बदतर होती जा रही है। एक लाख रूपए से अधिक वेतनभोगी के कार्यालय में ही पांच हजार रूपए का कर्मचारी मजदूर काम करने में मजबूर देखें जा सकते हैं। जब कि यही साहबजादे हर छ महीने में मिनिमम लघुत्तम मासिक वेतन धारा जैसे सरकार के परिपत्र पर सही करते हैं।

गुजरात राज्य सरकार द्वारा आज वर्षों से सभी जिलों में श्रम आयुक्त कार्यालय बनाकर पूरी एक फौज तैनात किया है। सभी सुविधाओं से सुसज्जित किया है। परंतु मजाल है कि एक भी अधिकारी गरीब मजदूर कर्मचारी दलित शोषित आदिवासी को लघुत्तम मासिक वेतन के मुताबिक एक सरकारी अर्धसरकारी अथवा फेक्ट्री वगैरह में जांच कर नियम बद्ध करवाने की कोशिश भी कर दे। सरकार की पूरे देश में कर्मचारी राज्य बीमा निगम सबसे सफल योजना अमृत तुल्य है। पत्तु नवसारी जैसे सामान्य स्तर के जिलों में भी इसके अमलीजामा पहनाने के लिए किसी भी अधिकारी ने आज तक जुर्रत नहीं दिखाई। आज ऐसे कई सुलझे अनसुलझे सवालों का जवाब गुजरात की आर्थिक राजधानी मानी जाने वाली सुरत के निवृत्त करार आधारित मार्ग और मकान वर्ग एक हालांकि नियमों की मानें तो तथाकथित अधिकारी के पास ऐसी कोई सत्ता नहीं है परन्तु ऐसे नियमों की जानकारी उनके पास होना अनिवार्य है। गुजरात राज्य सूचना आयुक्तके सामने जवाब देने के लिए वाध्य है। जब कि लिखित में बता चुके हैं कि यह उनका काम नहीं है। अब इसे किस तरह गुजरात राज्य सूचना आयुक्त संज्ञान में लेते हैं यह समय चक्र में फिलहाल गतिमान है। सभी जानकारों और विद्वान इस पर नजर रहेगी।

निवृत्त करार आधारित अधिकारी होंगे बेनकाब..?

कायदा-कानून का खुलेआम अधिकारी उल्लघंन कर सरकार की नितियों और उनके कार्य पर सवाल खड़े कर रहे हैं?

मामलतदारदार श्री के ऑफिस में लगा एयरकंडीशनर और कायदा व्यवस्था लकवाग्रस्त-आर.टी.आई

गुजरात सरकार के हस्तगत सूडा में अवैध कार्यपर देखरेख करने वाले अवैध विभाग पर राज्य सरकार की अवैध

जिला में नायब कलेक्टर श्री की ऑफिस में अवैध रूप से एयरकंडीशनर- आर.टी.आई

बांधकाम पर,वसूलें गई टेक्स,साथ में अपनी घर की संपत्ति समज कर माफ़ी करने वाले अधिकारीयों की जाँच जरूरी हैं-सूत्रों की अनुसार

कक्षा 9 से 11 शुरूहोने के बाद अगस्त में कक्षा 6 से 8 शुरूकरने पर हो सकता है फैसला

क्रांति समय दैनिक

सोमवार से राज्य में कक्षा 9 से कक्षा 11 की ऑफलाइन शिक्षा प्रारंभ होने के बाद अब कक्षा 6 से कक्षा 8 शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। अगस्त महीने में सरकार 6 से 8 की कक्षाएं शुरूकरने पर फैसला कर सकती है। हांलाकि इसमें अभिभावकों की सहमति अनिवार्य होगी। कोरोना संकट के चलते सभी स्कूलें बंद कर ऑनलाइन शिक्षा पर जोर दिया गया था। हांलाकि अब राज्य में कोरोना के काफी हद तक काबू में आने के बाद आज यानी 26 जुलाई से स्कूलों में कक्षा 9 से 11 की शिक्षा कार्य शुरूहो गया था। कक्षा 9 से 11 की कक्षाएं शुरूहोने के बाद अब राज्य सरकार कक्षा 6 से 8 की शिक्षा शुरू करने पर विचार कर रही है। राज्य के शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारियां शुरूकर दी हैं और स्कूलों को कक्षाओं की साफ-सफाई का आदेश भी दे दिया है। राज्य सरकार अगस्त महीने से स्कूलों में कक्षा 6 से 8 का शिक्षा कार्य शुरू करने पर विचार कर रही है। 15 अगस्त के बाद कक्षा 1 से 5 की शिक्षा शुरू करने पर विचार किया जा सकता है।

हांलाकि स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति स्वैच्छिक होगी और 50 प्रतिशत क्षमता के साथ ही कक्षा शुरूकी जाएगी। स्कूल आने को इच्छुक विद्यार्थियों के लिए अपने अभिभावक का सहमति पत्र अनिवार्य होगा। ऑफलाइन शिक्षा के साथ ही ऑनलाइन शिक्षा बदस्तूर जारी रहेगी।

डम्पर और टाटा एस के बीच दुर्घटना में एक महिला की मौत, 13 लोग जख्मी

सुरेन्द्रनगर,राजकोट- चोटीला हाईवे पर चोटीला के निकट डम्पर और टाटा एस के बीच हुई दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब टाटा एस में सवार दो परिवार लोग राजकोट से सुरापुरा दर्शन करने जा रहे थे। पुलिस ने अज्ञात डम्पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के दो परिवार के लोग खाटडी स्थित सुरापुरा के दर्शन करने टाटा एस में सवार होकर घर से रवाना हुए थे। टाटा एस सुरेन्द्रनगर जिले के चोटीला के निकट पहुंचा था कि एक डम्पर ने टाटा एस को टक्कर मार दी। डम्पर की टक्कर से टाटा एस पलट गया और उसमें सवार लोग सड़क पर जा गिरे। इस घटना में 40 वर्षीय भानुबेन मकवाणा नामक महिला की मौत हो गई। जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों को चोटीला और राजकोट के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सुरेन्द्रनगर पुलिस ने अज्ञात डम्पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकी।

सूरत में 17 वीर जवानों के परिवारों को रूपये देकर सम्मानित किया गया. 24 लाख की आर्थिक सहायता

क्रांति समय दैनिक

1999 के कारगिल युद्ध के बाद अपनी जीत के सम्मान में 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। जय जवान नागरिक समिति सूरत और लेउवा पाटीदार समाज अमेरिका के एक संयुक्त उद्यम ने सौराष्ट्र पटेल भवन, वराछा में रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम को बताया महत्वपूर्ण राज्यपाल ने एक बयान में कहा, "भारत वीर पौत्रों की भूमि है।" एक राष्ट्र जो अपने वीर पौत्रों और शहीदों का सम्मान करना जानता है, वह एक महान राष्ट्र है। राज्यपाल ने इस आयोजन को धनराशी के सहयोग से जय जवान नागरिक समिति की राष्ट्रीय चेतना को जगाने और कारगिल विजय दिवस पर शहीदों के परिवारों को लगातार 21 वर्षों से सम्मानित करने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए और उनके परिवारों के श्रेय के लिए काम करते हुए,

उन्होंने आगे कहा कि सभी को उन शहीदों को श्रद्धांजलि देनी चाहिए जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और सभी को नागरिक धर्म का पालन करना चाहिए। राज्यपाल ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के ऋण के लिए काम किया। समारोह में कोरोना योद्धाओं के रूप में सेवा करने वाले आठ संक्रमण सैनिकों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने उपस्थित सभी दानदाताओं का धन्यवाद किया।

कोरोना में जान गंवाने वाले छह पुलिस कर्मियों के परिवारों को इनमें से छह के परिवारों को 8 लाख रूपये की सहायता से सम्मानित किया गया. जबकि अन्य 11 जवानों के परिवारों को सूरत से आए कार्यकर्ताओं के दल ने 13.50 लाख रूपये की सहायता दी. कोरोना संकट के दौरान सूरत पुलिस का सराहनीय प्रदर्शन रहा और इस कोरोना जंग में अब तक 8 जवानों की जान चली गई है. कार्यक्रम में उनके परिवारों को सम्मानित किया गया और एक लाख की सहायता की पेशकश की गई।

कारगिल विजय दिवस पर समर्पण समारोह में सूरत के पुलिस आयुक्तभी मौजूद थे।

अब तक 365 परिवारों को 5.44 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है।इस अवसर पर जय जवान नागरिक समिति के ट्रस्टी सूरत कांजीभाई आर. भल्लाला ने कहा कि न केवल गुजरात या भारत बल्कि अमेरिका के पाटीदार समुदाय ने भी सैनिकों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। जय जवान नागरिक समिति अब तक 248 परिवारों को 5.21 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान कर चुकी है। आज 17 और परिवारों को 23.50 लाख रूपये की सहायता प्रदान की गई है। इस प्रकार 365 परिवारों को कुल 5.44 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की गई है।